राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 09 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-43 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आज से संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण, संसद में गरमा सकता है पश्चिम बंगाल एसआईआर का मुद्दा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव पर हंगामे के आसार

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है और पहले ही दिन लोकसभा में जोरदार हंगामे के संकेत मिल रहे हैं। विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा कराने जा रहा है। इस प्रस्ताव को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने की संभावना है। विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कांग्रेस के सांसदों को लेकर कुछ गलत दावे भी किए। इसी वजह से कई विपक्षी दलों के नेताओं ने उन्हें हटाने का प्रस्ताव दिया है। नियमों के अनुसार, प्रस्ताव दिए जाने के बाद ओम बिरला ने खुद को कार्यवाही से अलग कर लिया है और कहा गया है कि प्रस्ताव पर फैसला होने के बाद ही वह फिर से सदन की कार्यवाही संभालेंगे।हालांकि संख्या बल के लिहाज से सरकार मजबूत स्थिति में है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पास लोकसभा में बहुमत है, इसलिए माना जा रहा है कि यह प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ओम बिरला के समर्थन में सामने आए हैं और कहा है कि उन्होंने हमेशा संविधान और संसदीय लोकतंत्र की भावना के अनुसार काम किया है।

इन-इन मुद्दों के जोरदार तरीके से उठने की संभावना

सत्र के दौरान पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठने की संभावना है। अमेरिका और इस्त्राइल की तरफ से ईरान पर किए गए हमलों के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही है और कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़ रही हैं। विपक्ष इस मामले में सरकार की विदेश नीति और रूस से तेल खरीद पर अमेरिका द्वारा दिए गए छूट को लेकर सवाल उठा सकता है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष संशोधन में करीब 60 लाख नाम हटाए जाने का मुद्दा भी संसद में गरमा सकता है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद इस मामले को जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी में हैं। वहीं भाजपा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पश्चिम बंगाल यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन के मुद्दे को उठा सकती है।

सत्र में विधेयकों को पास कराने पर सरकार का रहेगा फोकस

सरकार इस सत्र में बिजली संशोधन विधेयक समेत कई लंबित विधेयकों को भी पास कराने की कोशिश करेगी। वहीं सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही की शुरुआत शिलांग से सांसद रहे रिक्की सिंगकोन के निधन पर श्रद्धांजलि के साथ हो सकती है, जिसके कारण प्रश्नकाल स्थगित होने की भी संभावना है।

प्रशांत महासागर में 6 रिक्टर तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली। प्रशांत महासागर में रविवार को 6 रिक्टर तीव्रता का भूकंप आया। इसकी जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि भूकंप भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2.58 बजे आया। इसकी गहराई 130 किलोमीटर दर्ज की गई। प्रशांत महासागर के किनारे का इलाका 'पैसिफीक रिंग ऑफ फायर' के नाम से जाना जाता है। यह दुनिया का सबसे एक्टिव भूकंपीय क्षेत्र है, जहां पृथ्वी के लगभग 81प्रतिशत बड़े भूकंप आते हैं।

अब राज्यपाल गुरमीत सिंह का हेलीकॉप्टर हुआ खराब, श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग

-एक दिन पहले ही केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी आई थी समस्या

श्रीनगर। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह के हेलीकॉप्टर की रविवार को श्रीनगर के पास इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर में तकनीकी दिक्कत या खराब मौसम की वजह से यह फैसला लिया गया। हालांकि राज्यपाल समेत सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। बताया गया कि गुरमीत सिंह गैंसरण में विधानसभा सत्र में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से जा रहे थे। इसी दौरान श्रीनगर के पास हेलीकॉप्टर में समस्या आने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने सावधानी बरतते हुए आपात लैंडिंग कराई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस अलर्ट हो गए और राज्यपाल को हेलिपैड से सीधे पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया। फिलहाल लैंडिंग के सही कारणों की जांच की जा रही है। इस घटना से एक दिन पहले केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी तकनीकी खराबी आ गई थी। वे कौशांबी जा रहे थे, तभी हेलीकॉप्टर में अचानक समस्या आ गई और उसकी लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बताया गया कि उड़ान के दौरान पायलट के डैशबोर्ड का डिस्प्ले बंद हो गया था और हेलीकॉप्टर में धुआं भरने लगा था। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ा और सुरक्षित लैंडिंग कराई। हेलीकॉप्टर में केशव मौर्य, उनके सहयोगी, सुरक्षाकर्मी और पायलट सवार थे और सभी सुरक्षित हैं।

भारत तीसरी बार बना टी20 विश्व चैंपियन,

फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया

अहमदाबाद।

भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए आईसीसी टी 20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अहमदाबाद में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड की टीम को 96 रनों से करारी शिकस्त दी और तीसरी बार टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीत ली। इसके साथ ही भारतीय टीम टूर्नामेंट के इतिहास में तीन बार खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई है। इसके साथ ही अपने घर में टी 20 बर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बन गई है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को न्यूजीलैंड ने टॉस जीत कर बॉलिंग चुनी। भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सेमसन और अभिषेक शर्मा ने अतिशी बल्लेबाजी करते हुए पावर प्ले में 92 रन की साझेदारी करते हुए इस बर्ल्ड कप में पावर प्लें में किसी भी टीम द्वारा सबसें अधिक रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया।

98 रन के स्कोर पर अभिषक शर्मा के रूप में भारत का पहला विकेट गिरा । अभिषेक ने 52 रन बनाए इसके बाद क्रीज पर आए ईशान किशन ने संजू सेमसंन के साथ अच्छी साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 192 रन तक पहुचाया । इस दौरान ऐसा लग रहा था कि भारत फायनल मैच में 270 रन से अधिक का स्कोर बनाएगा । संजू सेमसन 89 के निजी स्कोर पर आडट हुए।

इसके बाद ईशान किशन 54 के निजी स्कोर पर आडट हो गए। और कप्तान सूर्यकुमार यादव भी जल्द आउट हो गए। आखिर में शिवम दुबे ने 8 गेंद पर 26 रन बनाकर स्कोर 255 के पार पहुंचाया। न्यूजीलैंड से जिमी नीशम को 3 विकेट मिले। 256 रन का लक्ष्य का पीछा कर रही न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर के बाद 124 रन बनाकर 6 विकेट गंवा दिए हैं। टिम साइफर्ट फिफ्टी लगाने के बाद आउट हुए। साइफर्ट ने 52 रन बनाए। उनके अलावा डेरिल मिचेल 17, फिन एलन 9, रचिन रवींद्र 1, ग्लेन फिलिप्स 5 और मार्क चापमन 3 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सातवे विकेट के लिए कप्तान सेंटनर ने 47 रन की पारी खेली । न्यूजीलैंड की पूरी टीम 19 ओवर 159 के स्कोर पर आलआउट हो गई। भारत की और से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए अक्षर पटेल ने 3 और हार्दिक पंड्या अभिषेक शर्मा एवं वरुण चक्रवर्ती को 1-1 विकेट मिले।

पीएम मोदी ने ममता पर साधा निशाना और कहा- राष्ट्रपति मुर्मू के अपमान को बंगाल की जनता कभी माफ नहीं करेगी

-अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पीएम मोदी ने विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया

नई दिल्ली,।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कथित अपमान को लेकर एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि पश्चिम बंगाल की प्रबुद्ध जनता टीएमसी को एक नारी के अपमान, एक आदिवासी के अपमान और देश के महामहिम राष्ट्रपति के अपमान के लिए कभी माफ नहीं करेगी।पीएम मोदी ने उल्लेख किया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संथाल आदिवासी परंपरा के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने बंगाल गई थीं, लेकिन टीएमसी ने उस आयोजन का बहिष्कार किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश, आदिवासी समाज और नारी शक्ति भी इस अपमान को माफ नहीं करेगी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पूरे देश की नारी शक्ति को बधाई दी और उनके योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि भारत में महिला सशक्तिकरण नई ऊँचाइयों पर है और नारी शक्ति हर क्षेत्र–राजनीति, प्रशासन, खेल, विज्ञान और समाज सेवा–में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

आप पर भी बरसे

दिल्ली में 33,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण के अवसर पर पीएम मोदी ने आम आदमी पार्टी (आप) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहले प्रोजेक्ट फाइलों में अटके रहते थे और जनता की सुविधा प्रभावित होती थी, लेकिन अब भाजपा सरकार के तहत प्रोजेक्ट जमीन पर उतरते हैं और विकास की गति तेज हुई है। पीएम मोदी ने कहा, अगर यहां आपदा सरकार न होती, तो मेट्रो फेज 4 प्रोजेक्ट बहुत पहले पूरा हो जाता। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के कारण आम आदमी पार्टी ने लाखों लोगों की सुविधा को नजरअंदाज किया। उन्होंने भाजपा सरकार के विकास मॉडल की तुलना पूर्व व्यवस्था से करते हुए जनता के सामने इसे सफलता का प्रतीक बताया।

महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से ज्यादा बुद्धिमानः राहुल गांधी

-अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

नई दिल्ली।

राहुल गांधी ने कहा है कि वह ऐसे परिवार में पले-बढ़े हैं जहां महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे छात्राओं से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से ज्यादा समझदार और दूरगामी सोच रखने वाली होती हैं।वीडियो में राहुल गांधी ने बताया कि कुछ दिन पहले केरल में दोपहर के भोजन के दौरान उनकी कुछ छात्राओं से मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा कि छात्राओं के सपनों, जिज्ञासाओं और आत्मविश्वास से वे काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं अपनी क्षमता को पहचानती हैं और खुले मन से आगे बढ़ती हैं, तो वे समाज में असाधारण बदलाव ला सकती हैं। राहुल ने यह भी लिखा कि हर महिला अद्वितीय होती है और उनकी संवेदनशीलता, समझ व भावनात्मक बुद्धिमत्ता समाज को संतुलन और दिशा देती है।

सांसद राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं को समाज के प्रतिबंधात्मक मानदंडों से बंधे रहने के बजाय अपनी पहचान, व्यक्तित्व और आकांक्षाओं के अनुसार आगे बढ़ने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए। बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी कहा, कि उनके परिवार में उनकी दादी इंदिरा गांधी परिवार की मुखिया थीं। राहुल ने कहा कि उनके परिवार में महिलाओं की संख्या हमेशा पुरुषों से ज्यादा रही है। उन्होंने दावा किया कि महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से ज्यादा बुद्धिमान होती हैं। उनके अनुसार पुरुष अक्सर जल्दबाजी करते हैं और छोटी-छोटी बातों में उलझ जाते हैं, जबकि महिलाएं दूरगामी सोच रखती हैं और प्रत्यक्ष शक्ति के बजाय अप्रत्यक्ष शक्ति का प्रयोग करती हैं, जो अधिक प्रभावी होती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी शक्ति, साहस और सपने समाज को सकारात्मक भविष्य की ओर ले जाते हैं।

मिडिल ईस्ट तनाव का असरः दुबई में सोना अंतरराष्ट्रीय भाव से सस्ता, ट्रेडर्स दे रहे भारी छूट

– दुबई में वैश्विक कीमत से 30 डॉलर प्रति औंस कम भाव

- उड़ानें रुकीं, शिपमेंट अटकी
- सप्लाई चेन टूटी तो सस्ता हुआ सोना
- युद्ध से हिला गोल्ड बाजार
- दुबई में छूट पर बिक रहा सोना, भारत पर भी नजर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव का असर अब वैश्विक सोना बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण दुबई में सोने की ट्रेडिंग प्रभावित हुई है, जिसके चलते वहां सोना अंतरराष्ट्रीय कीमतों की तुलना में भारी छूट पर बिक रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार दुबई के ट्रेडर्स वैश्विक बेंचमार्क कीमत से करीब 30 डॉलर प्रति औंस तक का डिस्काउंट दे रहे हैं, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 2,700 से 2,800 रुपये के बराबर है।

जानकारी के मुताबिक दुबई में 8 मार्च की सुबह सोने का भाव लगभग 5,173.73 डॉलर प्रति औंस दर्ज किया गया। एक औंस में लगभग 28.34 ग्राम सोना होता है। हालांकि इस कीमत पर भी ट्रेडर्स अतिरिक्त डिस्काउंट दे रहे हैं, क्योंकि मौजूदा हालात में सोने की शिपमेंट और सप्लाई चेन बाधित हो गई है।

दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण कई देशों के एयरस्पेस आंशिक रूप से बंद हो गए हैं और कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सोने की अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट आमतौर पर यात्री विमानों के कार्गो होल्ड के जरिए की जाती है। उड़ानों पर प्रतिबंध लगने से दुबई जैसे बड़े बुलियन ट्रेडिंग हब से सोने का निर्यात प्रभावित हुआ है। इसके चलते सोने की खेप समय पर दूसरे देशों तक नहीं पहुंच पा रही है।शिपिंग और इंश्योरेंस लागत में बढ़ोतरी के साथ-साथ डिलीवरी में अनिश्चितता भी बढ़ गई है। ऐसे में कई अंतरराष्ट्रीय खरीदार नए ऑर्डर देने से हिचकिचा रहे हैं। व्यापारियों के सामने स्टोरेज और फाइनेंसिंग की लागत तेजी से बढ़ने का दबाव है। इसी कारण वे अपने पास मौजूद सोने के स्टॉक को निकालने के लिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों से कम दर पर बिक्री करने को मजबूर हो रहे हैं।दुबई लंबे समय से वैश्विक सोना व्यापार का एक प्रमुख केंद्र रहा है। यहां सोने की रिफाइनिंग, ट्रेडिंग और एक्सपोर्ट बड़े पैमाने पर होता है। स्विट्जरलैंड, ब्रिटेन और कई अफ्रीकी देशों से आने वाले सोने की खेप भी अक्सर दुबई के जरिए एशियाई बाजारों तक पहुंचती है। मौजूदा संघर्ष के चलते इस पूरी सप्लाई चेन पर असर पड़ा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर वैश्विक सोना बाजार पर और गहरा हो सकता है। भारत जैसे बड़े उपभोक्ता देश भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में फिलहाल स्थिति गंभीर नहीं मानी जा रही है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार देश में जनवरी के दौरान सोने का आयात अपेक्षाकृत अधिक हुआ था, जिससे बाजार में फिलहाल पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। हालांकि कुछ कार्गो शिपमेंट में देरी के कारण अल्पकालिक तौर पर भौतिक सोने की उपलब्धता में हल्की कमी देखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दुबई से सोने की सप्लाई में व्यवधान कई महीनों तक जारी रहता है तो भारत में सोने की कीमतों और उपलब्धता दोनों पर दबाव बढ़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कितने ताकतवर साबित होंगे नेपाल के बालेन शाह?

बालेन शाह का कार्यकाल विवादों से भी घिरा रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को कई लोगों ने कठोर और असंवेदनशील बताया, क्योंकि इससे छोटे व्यापारियों और गरीब वर्ग पर असर पड़ा। सड़क किनारे दुकानदारों के खिलाफ सख्ती और नगर पुलिस द्वारा बल प्रयोग के आरोपों ने भी आलोचना को जन्म दिया। मानवाधिकार संगठनों ने इसे गरीबों के जीवनयापन पर असर डालने वाला कदम बताया।

लेखक- सौरभ वार्ष्णेय

भारत की सीमा से जुड़े देश नेपाल के नये राजनीतिज्ञ के रूप में उभरे बालेन शाह एक ऐसा नाम बन गये हैं, जिसने पारंपरिक दलों की राजनीति को चुनौती देकर एक मिसाल काल कायम कर दी है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में यह पहला आम चुनाव है। ऐसे संवेदनशील ता के बाद काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर के रूप में उनकी पार्टी की जीत ने यह संकेत दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक ढांचे से हटकर नए और स्वतंत्र नेतृत्व को अवसर देने के लिए तैयार है। इंजीनियर, रैपर और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले बालेन शाह की लोकप्रियता मुख्यत- उनकी साफ-सुथरी छवि, तेज निर्णय क्षमता और सिस्टम को बदलने के वादे पर खरे उतरने वाले राजनेता बन गए हैं। नेपाल में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है और वहां की संसद दो सदनों से मिलकर बनी। इनमें निचला सदन प्रतिनिधि सभा और ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा कहलाता है। प्रतिनिधि सभा को भारत की लोकसभा की तरह माना जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी नेपाल के संसदीय चुनाव के नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं। शुरुआती रुझानों में काठमांडू के पूर्व मेयर और युवा नेता बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। 35 वर्षीय बालेन शाह की पार्टी कई सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। वहीं नेपाल में पिछले काफी समय से युवाओं के बीच राजनीति को लेकर बढ़ती सक्रियता देखने को मिली है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद देश में यह पहला आम चुनाव है। उस आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था और सांसद भंग कर दी गई थी।

हम बात करे तो बालेन शाह की तो उन्होंने मेयर बनने के बाद अचानक अपने वायदे अनुसार काठमांडू में अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित शहरी ढांचे को सुधारने और प्रशासनिक पारदर्शिता लाने जैसे कई कदम उठाए जिससे वह इन फैसलों के कारण आम से खास बनते चले गए। इस सबमें खास बात यह है कि बालेन शाह किसी बड़े राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं, फिर भी उन्होंने स्थापित नेताओं को हराकर सत्ता तक पहुंच बनाई। यह बदलाव नेपाल की राजनीति में एक नई सोच का संकेत देता है। अब सवाल उठता है कि वह नेपाल में चेहते तो बन गए पीएम बनते हैं तो क्या उनकी वास्तविक ताकत कितनी होगी। स्थानीय निकाय के प्रमुख के रूप में उनकी शक्तियां सीमित थी और कई बड़े निर्णय प्रांतीय या केंद्रीय सरकार के स्तर पर लिए जाते हैं। ऐसे में कई बार उनकी योजनाएं नौकरशाही या राजनीतिक खींचतान में फंस जाती हैं। यही वजह है कि लोकप्रियता के बावजूद उनके सामने व्यवस्था की जटिलताएं बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। इसके बावजूद बालेन शाह की सबसे बड़ी ताकत जनता का भरोसा है। यदि वह अपने काम और पारदर्शी प्रशासन से लोगों का विश्वास बनाए रखते हैं, तो उनकी राजनीतिक भूमिका केवल काठमांडू तक सीमित नहीं रहेगी। भविष्य में वे नेपाल की राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं।

अगर हम उनकी कर्मठ राजनीति की बता करें तो नेपाल की राजनीति में अचानक उभरे युवा चेहरों में बालेन शाह का नाम सबसे प्रमुख है। पेशे से इंजीनियर और पहले एक लोकप्रिय रैपर रहे शाह ने 2022 में काठमांडू महानगर के मेयर का चुनाव जीतकर पारंपरिक राजनीतिक दलों को चौंका दिया। उनकी जीत को युवाओं की उम्मीद और भ्रष्ट राजनीति के खिलाफ जनाक्रोश का प्रतीक माना गया। सवाल यह है कि मेयर बनने के बाद वे कितने कारगर साबित हुए?

बालेन शाह के कार्यकाल की शुरुआत काफी आक्रामक और प्रतीकात्मक कदमों से हुई। शहर में अवैध कब्जों और अतिक्रमण के खिलाफ उन्होंने बुलडोजर अभियान चलाया, जिससे कई इमारतों और संरचनाओं को हटाया गया। इसका उद्देश्य सार्वजनिक जमीन को मुक्त कर शहर को व्यवस्थित बनाना था।

बालेन शाह का कार्यकाल विवादों से भी घिरा रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को कई लोगों ने कठोर और असंवेदनशील बताया, क्योंकि इससे छोटे व्यापारियों और गरीब वर्ग पर असर पड़ा। सड़क किनारे दुकानदारों के खिलाफ सख्ती और नगर पुलिस द्वारा बल प्रयोग के आरोपों ने भी आलोचना को जन्म दिया। मानवाधिकार संगठनों ने इसे गरीबों के जीवनयापन पर असर डालने वाला कदम बताया।इसके अलावा प्रशासनिक टकराव, कर्मचारियों के वेतन विवाद और कुछ योजनाओं के अधूरे रहने से भी उनकी कार्यशैली पर सवाल उठे। बालेन शाह की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यह रही कि उन्होंने काठमांडू की राजनीति में नई ऊर्जा और जवाबदेही का माहौल पैदा किया। उन्होंने यह संदेश दिया कि नगर प्रशासन भी सख्ती से काम कर सकता है और राजनीतिक दबाव से परे निर्णय ले सकता है।

लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि बड़े वादों को संस्थागत और स्थायी परिणामों में बदलना आसान नहीं होता। शहर की ट्रैफिक समस्या, कचरा प्रबंधन और शहरी अव्यवस्था जैसी कई समस्याएँ अभी भी पूरी तरह हल नहीं हो सकी हैं।कुल मिलाकर बालेन शाह को न तो पूरी तरह असफल कहा जा सकता है और न ही पूरी तरह सफल। उन्होंने काठमांडू की राजनीति में बदलाव की शुरुआत की है, लेकिन उस बदलाव को स्थायी परिणामों तक पहुँचाने की कसौटी अभी बाकी है।अगर उनकी ऊर्जा और ईमानदार छवि प्रशासनिक अनुभव और संस्थागत सहयोग के साथ जुड़ सके, तो वे नेपाल की राजनीति में एक दीर्घकालिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं।

भारत की नेपाल से अपेक्षा

भारत के बीच संबंधों का सवाल केवल किसी एक नेता की व्यक्तिगत सोच का नहीं, बल्कि नेपाल-भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों से भी जुड़ा हुआ है। फिर भी हाल के वर्षों में काठमांडू महानगर के मेयर के रूप में बालेन शाह की सक्रियता और उनकी स्पष्टवादी शैली ने इस विषय को नई चर्चा दी है।

नेपाल और भारत के रिश्ते सदियों पुराने हैं। खुली सीमा, सांस्कृतिक समानताएं, धार्मिक आस्था और व्यापारिक निर्भरता दोनों देशों को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। ऐसे में काठमांडू महानगर के मेयर बालेन शाह की भारत को लेकर कही गई बातों और उनके रुख पर स्वाभाविक रूप से ध्यान जाता है। बालेन शाह युवा, तकनीकी पृष्ठभूमि से आने वाले और पारंपरिक राजनीति से अलग छवि वाले नेता हैं। उन्होंने काठमांडू में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और प्रशासनिक सुधारों को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। इसी स्पष्टवादी शैली के कारण कभी-कभी उनके बयान भारत-नेपाल संबंधों को लेकर भी चर्चा में आ जाते हैं। दरअसल, नेपाल की राजनीति में समय-समय पर भारत और चीन के बीच संतुलन की बहस चलती रही है। बालेन शाह भी कई बार राष्ट्रीय स्वाभिमान और नेपाल की स्वतंत्र नीति की बात करते दिखाई देते हैं। यह दृष्टिकोण नेपाल के युवाओं के एक वर्ग में लोकप्रिय भी है, जो चाहता है कि नेपाल अपने हितों के आधार पर निर्णय ले।हालांकि यह भी सच है कि भारत और नेपाल के संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जन-जन के रिश्ते हैं। लाखों नेपाली भारत में काम करते हैं, दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन बेहद सहज है। इसलिए किसी भी नेता के लिए यह जरूरी है कि वह राष्ट्रीय हित के साथ-साथ इन ऐतिहासिक संबंधों की संवेदनशीलता को भी समझे। बालेन शाह जैसे युवा नेताओं से उम्मीद यही है कि वे नेपाल के विकास और स्वाभिमान को मजबूत करने के साथ-साथ पड़ोसी देशों के साथ सहयोग और संवाद का रास्ता भी खुला रखें। भारत और नेपाल के रिश्ते प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी के आधार पर ही आगे बढ़ सकते हैं।

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

संपादकीय

फिर हंगामे के आसार

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण हंगामेदार रहने की उम्मीद है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर तीखी बहस होगी, हालांकि सत्तापक्ष के बहुमत के कारण इसका नतीजा तय है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण का प्रारंभ हंगामे से होने के आसार पर आश्चर्य नहीं। अब संसद के प्रत्येक सत्र की शुरुआत हंगामे से ही होती है और कई बार तो पूरा सत्र उसी की भेंट चढ़ जाता है। बजट सत्र के दूसरे चरण में एक तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष में तकरार तय है और दूसरे, ईरान पर इजरायल-अमेरिका के हमले को लेकर विपक्ष की ओर से सरकार को घेरने के चलते आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला देखने को मिल सकता है। लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चाहे जितनी तीखी बहस हो, उसका नतीजा तय है। चूंकि सत्तापक्ष का बहुमत है और प्रधानमंत्री ने सत्र शुरू होने के पहले लोकसभा अध्यक्ष की प्रशंसा करते हुए जिस तरह कहा कि वे अहंकारी-उत्पाती छात्रों को ठीक करना जानते हैं, उससे यह स्पष्ट है कि वे सत्तापक्ष को ओम बिरला के पक्ष में एकजुट होने का संदेश दे रहे हैं। इस अविश्वास प्रस्ताव पर शक्ति परीक्षण भी देखने को मिल सकता है, क्योंकि भाजपा और कांग्रेस, दोनों ने अपने लोकसभा सदस्यों को 9-10 मार्च को सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी कर दिया है। भले ही उच्च सदन को वरिष्ठों का सदन कहा जाता हो और यह अपेक्षा की जाती हो कि इस सदन के सदस्य सभी विषयों पर कहीं अधिक धीर-गंभीर और दलगत हितों से ऊपर उठकर चर्चा करेंगे, लेकिन सच यह है कि अब लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी हंगामे के दृश्य दिखना आम हो गया है। बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले कांग्रेस समेत कई पार्टियों ने इजरायल-अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमले और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर भी बयान जारी करने की मांग की है। हालांकि सरकार की ओर से खामेनेई की मौत पर शोक जताया जा चुका है, लेकिन कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इस पर जोर दे सकते हैं कि सरकार उनके मन माफिक बयान जारी करे। विपक्षी दल इससे अनजान नहीं हो सकते कि इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष से जो जटिल स्थिति उपजी है, वह ऐसी नहीं कि सरकार किसी एक के पक्ष में खुलकर खड़ी हो सके। इस स्थिति से सबसे अच्छी तरह लंबे समय तक केंद्र की सत्ता में रही कांग्रेस अवगत होगी, पर वही इस मामले में अपने संकीर्ण रवैये का परिचय देने में सबसे आगे रह सकती है। इसका प्रमाण सोनिया गांधी का वह लेख है, जिसमें उन्होंने पश्चिम एशिया संकट पर सरकार के रवैये को कोसा। कम से कम कांग्रेस को तो यह पता होना चाहिए कि विदेश नीति किसी दल या सरकार की नहीं, बल्कि देश की होती है और उस पर पक्ष-विपक्ष को न केवल सहमति कायम करनी चाहिए, बल्कि उसका प्रदर्शन भी करना चाहिए।

एक परीक्षा से बड़ी जिंदगी : यू.पी.एस.सी. के इर्द-गिर्द बनती मानसिकता पर सवाल

(लेखक-डॉ. सत्यवान सौरभ)

(सफलता का एकमात्र पैमाना नहीं है यू.पी.एस.सी., यू.पी.एस.सी. से आगे भी है सफलता की दुनिया)

हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) के परिणाम घोषित हुए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी सफल अभ्यर्थियों की कहानियाँ सुर्खियों में हैं। टॉपर्स के इंटरव्यू, उनकी रणनीति, उनकी मेहनत और संघर्ष की चर्चा पूरे देश में हो रही है। यह स्वाभाविक भी है। वर्षों की कठिन तैयारी के बाद जो युवा इस परीक्षा में सफल होते हैं, उनकी उपलब्धि निश्चित ही प्रशंसा के योग्य है।

लेकिन इस उत्सव के बीच एक दूसरा पक्ष भी है, जिस पर कम चर्चा होती है। वह है यू.पी.एस.सी. के इर्द-गिर्द हमारे समाज में बनती वह मानसिकता, जिसने इस परीक्षा को केवल एक अवसर नहीं बल्कि सफलता का अंतिम पैमाना बना दिया है। धीरे-धीरे हमारे सामाजिक वातावरण में यह धारणा गहराती गई है कि पढ़ाई का सबसे बड़ा उद्देश्य यू.पी.एस.सी. है। घरों में, रिश्तेदारों की बातचीत में, यहां तक कि स्कूल-कॉलेज के माहौल में भी अक्सर यही संदेश सुनाई देता है कि असली सफलता वही है जो इस परीक्षा से होकर गुज़रे। किसी घर में यदि कोई युवक या युवती भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) या भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में चयनित हो जाता है तो वह पूरे परिवार और मोहल्ले के लिए गर्व का विषय बन जाता है। यह गर्व स्वाभाविक है, लेकिन इसके साथ एक अनकहा संदेश भी समाज में फैलता है—जो इस परीक्षा में सफल नहीं हुआ, वह शायद उतना सफल नहीं है। यही सोच कई बार लाखों युवाओं के मन पर अनावश्यक दबाव बना देती है। 18-19 वर्ष की आयु में जब कोई छात्र अपने भविष्य के बारे में सोच रहा होता है, तब अक्सर उसके सामने यू.पी.एस.सी. को ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि इन युवाओं में से बहुत कम लोग वास्तव में शासन व्यवस्था, नीति निर्माण या सार्वजनिक सेवा की जटिलताओं को समझते हुए इस दिशा में आगे बढ़ते हैं। कई बार यह निर्णय प्रेरणा से अधिक सामाजिक प्रतिष्ठा की कल्पना से प्रेरित होता है। सोशल मीडिया के दौर में यह प्रवृत्ति और तेज हुई है। छोटी-छोटी वीडियो क्लिप, वर्दी में अधिकारियों की छवियाँ, 'कलेक्टर साहब' या 'सुपरकॉप' जैसे लोकप्रिय चित्रण युवाओं के मन में एक आकर्षक छवि बनाते हैं। लेकिन इन छवियों के पीछे की वास्तविकता—लंबे कार्य घंटे, प्रशासनिक जटिलताएँ, प्राकृतिक आपदाओं के समय निरंतर जिम्मेदारी, राजनीतिक दबाव और निर्णयों की कठिनाइयाँ—इनका उल्लेख शायद ही कभी होता है। इस परीक्षा से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण प्रश्न भाषा का भी है। पिछले कुछ वर्षों में यू.पी.एस.सी. के परिणामों में हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों का प्रतिनिधित्व लगातार घटता दिखाई देता है। यह केवल भाषा का सवाल नहीं है, बल्कि अवसरों की समानता से जुड़ा मुद्दा भी है। देश के छोटे शहरों और कस्बों से आने वाले अनेक छात्र सीमित संसाधनों में इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। उनके सामने अंग्रेज़ी भाषा की चुनौती होती है, अध्ययन सामग्री की कमी होती है और महंगी कोचिंग व्यवस्था भी एक बाधा बनती है। विडंबना यह है कि जिन अधिकारियों को देश की विविध जनता के साथ काम करना होता है, वही जनता प्रायः अपनी स्थानीय भाषाओं में सोचती और बोलती है। हिंदी, भोजपुरी, मैथिली, अवधी या अन्य भारतीय भाषाएँ केवल संचार का माध्यम ही नहीं बल्कि सामाजिक अनुभवों की अभिव्यक्ति भी हैं। यदि चयन की प्रक्रिया में भाषाई असमानता का अनुभव बढ़ता है, तो यह चिंता का विषय होना चाहिए।

इसके साथ ही हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि देश का निर्माण केवल प्रशासनिक सेवाओं से नहीं होता। आज भारत की प्रगति में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्यमियों, शिक्षकों, डॉक्टरों और तकनीकी विशेषज्ञों का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाले हजारों युवा देश की डिजिटल संरचना को मजबूत बना रहे हैं। स्टार्ट-अप जगत में नए विचार किसानों, छोटे व्यापारियों और आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान खोज रहे हैं।

फिर भी इन पेशों को वह सामाजिक प्रतिष्ठा शायद ही मिलती है जो सिविल सेवा से जुड़ी छवि को प्राप्त होती है। यह असंतुलन युवाओं के करियर विकल्पों को भी प्रभावित करता है। कई प्रतिभाशाली छात्र केवल सामाजिक अपेक्षाओं के कारण वर्षों तक यू.पी.एस.सी. की तैयारी में लगे रहते हैं, जबकि उनकी क्षमता अन्य क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय योगदान दे सकती है। यह भी एक कठोर सच्चाई है कि लाखों अभ्यर्थियों में से केवल कुछ सौ ही इस परीक्षा में अंतिम रूप से सफल हो पाते हैं। बाकी अभ्यर्थियों के लिए यह प्रक्रिया कई बार लंबी और मानसिक रूप से कठिन साबित होती है। कुछ छात्र पाँच-छह वर्ष तक लगातार प्रयास करते हैं। इस दौरान उनकी उम्र, आर्थिक संसाधन और कई बार व्यक्तिगत संबंध भी प्रभावित होते हैं। असफलता की स्थिति में उन्हें यह महसूस कराया जाता है मानो उनका संघर्ष व्यर्थ हो गया हो। वास्तव में यह दृष्टिकोण ही सबसे बड़ी समस्या है। किसी परीक्षा में सफलता या असफलता किसी व्यक्ति की संपूर्ण क्षमता या मूल्य का निर्धारण नहीं कर सकती। यू.पी.एस.सी. एक महत्वपूर्ण परीक्षा अवश्य है, लेकिन यह जीवन की संभावनाओं का अंतिम दरवाज़ा नहीं है। समाज के रूप में हमें यह समझना होगा कि सफलता के अनेक रास्ते होते हैं। यदि हम युवाओं को केवल एक ही मार्ग को सर्वोच्च बताकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे, तो अनजाने में हम उनकी संभावनाओं को सीमित कर देंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम यू.पी.एस.सी. जैसी परीक्षाओं का सम्मान करते हुए भी उन्हें जीवन का एकमात्र लक्ष्य न बनने दें। युवाओं को यह भरोसा दिया जाना चाहिए कि उनकी मेहनत, उनकी प्रतिभा और उनका योगदान किसी एक परिणाम से कम नहीं हो जाता। हर पेशे की अपनी गरिमा है और हर जिम्मेदारी का समाज में अपना महत्व है। यदि हम यह संतुलित दृष्टिकोण विकसित कर पाए, तो न केवल युवाओं पर अनावश्यक दबाव कम होगा बल्कि देश को विविध क्षेत्रों में प्रतिभाशाली और समर्पित नागरिक भी मिलेंगे।

अंततः यह याद रखना चाहिए कि किसी भी परीक्षा का परिणाम केवल एक अवसर तय करता है, किसी व्यक्ति का मूल्य नहीं। जीवन की संभावनाएँ उससे कहीं व्यापक होती हैं—और वही संभावनाएँ किसी समाज की वास्तविक ताकत होती हैं।

(लेखक, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता।

तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वत- ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

विचार मंथन

ट्रंप और नेतन्याहू के चेहरे उतरे

(लेखक-सनत जैन)

- ईरान और चीन ने दिखाया दम

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर बड़ी तैयारी के साथ हमला किया था। डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू को लग रहा था, एक सप्ताह के अंदर वह ईरान को घुटनों पर लाकर खड़ा कर देंगे। ईरान में सत्ता परिवर्तन करा देंगे। लेकिन जिस तरह से ईरान ने हर हमले का बढ़-चढ़कर जवाब दिया है उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के चेहरे उतर गए हैं। ईरान ने जितना नुकसान इजराइल का किया है उससे कहीं ज्यादा नुकसान खाड़ी देशों में जो अमेरिकी सैन्य अड्डे थे वहां पर ईरान ने विध्वंस मचाया है। इससे सारी दुनिया के देश भोंचक्के रह गए हैं। इजरायल ने सोचा था ईरान के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई और प्रथम पंक्ति के नेताओं की हत्या के बाद ईरान के पास सरेंडर करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा। ईरान की जनता सड़कों पर निकल आएगी और विद्रोह कर देगी। लेकिन ठीक इसके उल्टा हुआ। खामेनेई की हत्या के बाद ईरान की सारी जनता एकजुट हो गई। ईरान ने लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए मिसाइलों और ड्रोन के रूप में मुकाबले के लिए जो तैयारी कर रखी थी उसकी जरा सी भी जानकारी इजरायल और अमेरिका को नहीं थी। अमेरिका और इजरायल को यह भी पता नहीं था कि रूस और चीन ईरान की इस तरह से मदद कर सकते हैं, जिसके कारण पहली बार ईरान के साथ जंग में इजरायल और अमेरिका दोनों को ही भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वही डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहु को अपनी सत्ता बचाए रखने के लिए अपने ही देश में लड़ना पड़ रहा है। अमेरिका और इजरायल को इसके पहले कभी भी इतना बड़ा नुकसान नहीं उठाना पड़ा जो ईरान के इस युद्ध में उठाना पड़ रहा है। इजरायल ने खबरों पर पूरी तरह से सेंसरशिप लगा दी है। इजरायल में ईरानी हमलों से जो नुकसान हुआ है उसके बारे में कोई भी खबर बाहर निकल कर नहीं आ रही है। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों को ईरान ने पूरी तरह से तबाह कर दिया है। मीडिया में अमेरिका और इजरायल का प्रभाव होने के कारण युद्ध की सही खबरें लोगों तक नहीं पहुंच पा रही हैं, लेकिन जिस तरह से समाचार प्राप्त हो रहे हैं उसमें समझा जा सकता है, कि अमेरिका और इजरायल को इस युद्ध में आर्थिक और सामरिक रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

रूस और चीन की मदद ईरान को मिल रही है। कई मामलों में जो मिसाइल, ड्रोन और हथियार ईरान द्वारा उपयोग में लाए जा रहे हैं उन्होंने इजरायल की तकनीकी को भी मात देने का काम किया है। इजरायल भी अपनी सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। आयरन डोम और अन्य जो रक्षा उपकरण को लेकर इजरायल दावा करता रहा है वह इस युद्ध में तार-तार हो गए हैं। अमेरिका और इजरायल जिस तरह की दादागिरी सारी दुनिया के देशों के साथ कर रहे थे उसके बाद अप्रत्यक्ष रूप से दुनिया के अधिकांश देश ईरान के पक्ष मे आकर खड़े हो रहे हैं। पिछले एक साल में ट्रंप ने टैरिफ और दादागिरी के रूप में जो कुछ पूरे दुनिया के देशों में बोया था, अब उसकी फसल तैयार है। इस फसल को ट्रंप को काटना ही पड़ेगा। रही सही कसर एपस्टीन फाइल के खुलने से अमेरिका, भारत सहित लगभग एक दर्जन देशों में राजनीतिक रूप से हड़कंप मचा हुआ है। कई बड़े-बड़े नेताओं को इस्तीफा देना पड़ा है। यह तलवार डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर भी लटक रही है।

अमेरिका की आर्थिक स्थिति इन दिनों बहुत खराब है। डोनाल्ड ट्रंप ने संसद की अनुमति के बिना ईरान पर हमला किया था, इसको लेकर अमेरिका में उनके खिलाफ जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहने में कोई संकोच नहीं है, ईरान पर हमला करके अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इलरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती की है। ईरान को जिस तरह से चीन, रूस, उत्तर कोरिया यहां तक कि खाड़ी के देशों का अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन मिलना शुरू हो गया है, उसने ईरान को काफी मजबूत बना दिया है। इसमें ईरान का ही पलड़ा भारी रहने की संभावना व्यक्त की जाने लगी है। अमेरिका के लिए भी यह सबसे बड़ी शिकस्त होगी। अमेरिका के राजनीतिक हलकों में यह भी कहा जाने लगा है। ट्रंप जिस तरह से मनमानी कर रहे हैं वह अपना कार्यकाल पूरा कर पाएंगे इसको लेकर संदेह व्यक्त किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तांबा महंगा होने, रुपया कमजोर पड़ने से 5-15 प्रतिशत बढी एसी की कीमतें

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख एयर कंडीशनर (एसी) कंपनियां डाइकिन, वोल्टास, ब्लू स्टार, एलजी, हायर और मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज ने अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 5 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनियों का कहना है कि तांबे जैसी महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री की बढ़ी कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और माल ढुलाई खर्च में वृद्धि मुख्य कारण हैं। इसके अलावा नए ऊर्जा दक्षता मानकों के लागू होने से एसी और अधिक कुशल बने हैं, जिससे उत्पादन लागत भी बढ़ गई है। फरवरी से अप्रैल तक लागू होने वाली यह कीमत बढ़ोतरी गर्मी के मौसम से ठीक पहले हो रही है, जब एसी की मांग अपने चरम पर होती है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि भीषण गर्मी और नए स्टार-रेटेड मॉडलों से बिजली की बचत की उम्मीद से इस साल बिक्री की गति मजबूत रहने वाली है। डाइकिन इंडिया ने अप्रैल से 12 फीसदी, ब्लू स्टार ने फरवरी में 8-10 फीसद और वोल्टास ने 5-15 फीसदी की बढ़ोतरी की। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत मूल्य समायोजन के लिए आवश्यक थी।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों ने त्योहारी तिमाही में दर्ज की जोरदार वृद्धि

- कंपनी के औसत मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता बढ़कर 2.43 करोड़ हुए

नई दिल्ली । भारत की शीर्ष ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों स्विगी, मैजिकपिन और जोमैटो ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार त्योहारों के दौरान बढ़ी मांग, किफायती ऑफ़र और बढ़ते उपयोगकर्ता आधार ने ऑर्डर की संख्या में तेजी लाने में मदद की। लगातार निवेश, नवाचार और मूल्य-आधारित प्रस्तावों से इस क्षेत्र की वृद्धि की गति अगले तिमाहियों में भी बनी रहने की उम्मीद है। मैजिकपिन के प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि तिमाही शानदार रही। दिल्ली-एनसीआर जैसे परिपक्व बाजार स्थिर रहे, जबकि बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई जैसे शहरों में सकल ऑर्डर मूल्य में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। स्विगी ने बताया कि तिमाही में वृद्धि नई गति, चयन और सामर्थ्य के प्रस्तावों की वजह से आई। कंपनी के औसत मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता सालाना 22 प्रतिशत बढ़कर 2.43 करोड़ हो गए, जबकि कुल ऑर्डर 23 करोड़ से बढ़कर 29.4 करोड़ हो गए। जोमैटो के फूड डिलीवरी व्यवसाय ने भी इस तिमाही में सकारात्मक रुझान दिखाया। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 9,846 करोड़ रुपये का शुद्ध ऑर्डर मूल्य दर्ज किया, जो सालाना 16.6 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञ मानते हैं कि त्योहारी सीजन के अलावा निरंतर निवेश, प्रचार और मूल्य-आधारित रणनीतियों से कंपनियों की वृद्धि गति आने वाले तिमाहियों में भी बनी रहेगी।

उत्तर प्रदेश विद्युत आयोग ने उपभोक्ताओं को दिलाई बड़ी राहत

अब वापस होंगे स्मार्ट मीटर के नाम पर वसूले 127 करोड़

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर वसूली गई अतिरिक्त राशि को लौटाने का आदेश दिया है। आयोग ने कहा कि 1 अप्रैल 2025 के बाद जो उपभोक्ताओं से अधिक पैसे लिए गए हैं, उन्हें लगभग 127 करोड़ रुपये बिजली बिलों में समायोजित कर वापस किया जाए। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आयोग में याचिका दाखिल की थी। उन्होंने बताया कि नए कनेक्शन पर सिंगल फेज में 6016 रुपये और थ्री फेज में 11341 रुपये लिए गए, जबकि वास्तविक शुल्क सिंगल फेज 2800 रुपये और थ्री फेज 4100 रुपये था। इस अवधि में 10 सितंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच कुल 3,53,357 नए कनेक्शन जारी किए गए और इसी दौरान अतिरिक्त राशि वसूली गई। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह ने याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश दिया।

भारत में अब कुल 308 अरबपति, मुकेश अंबानी बने सबसे अमीर

- पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए

मुंबई ।

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2026 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब कुल 308 अरबपति हो गए हैं, जो पिछले साल से 24 अधिक हैं। इस बढ़ोतरी के साथ भारत अरबपतियों की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, केवल अमेरिका और चीन से पीछे। पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए। कुल अरबपतियों में लगभग 7 फीसदी महिलाएं हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक साल में उनकी संपत्ति लगभग 10 फीसदी बढ़कर 112.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान 199 अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि हुई, जबकि 109 की संपत्ति में कमी या कोई खास बदलाव नहीं हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने। उनकी कुल संपत्ति लगभग 9.8 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पिछले साल की तुलना में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। गौतम अडानी अडानी ग्रुप के प्रमुख दूसरे स्थान पर हैं, हालांकि उनकी संपत्ति में 14 फीसदी की गिरावट आई है और अब यह 7.5 लाख करोड़ रुपये रह गई है। तीसरे स्थान पर रोशनी नाडर मल्होत्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी की चेयरपर्सन हैं। उनकी संपत्ति लगभग 3.2 लाख करोड़ रुपये है और वह भारत के शीर्ष 10 अमीरों में इकलौती महिला हैं।

इस साल सबसे अधिक नए अरबपति हेल्थकेयर क्षेत्र से सामने आए हैं, कुल 53 नए नाम शामिल हुए। इसके बाद औद्योगिक उत्पाद क्षेत्र से 36 और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र से 31 नए अरबपति जुड़े। संपत्ति के मामले में ऊर्जा क्षेत्र सबसे आगे रहा। केवल 8 अरबपतियों के पास 18.3 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो भारत के कुल अरबपति धन का लगभग 16 फीसदी है। साइरस एस पूनावाला, सीरम इंस्टीट्यूट आफ इं डिया के संस्थापक और चेयरमैन, इस साल सबसे बड़े वेल्थ गेनर बने। उन्होंने केवल एक साल में लगभग 0.91 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जोड़ी।

सोना साप्ताहिक आधार पर 5060 सस्ता, चांदी में 10000 रुपए की गिरावट

- मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित निवेश वाले एसेट्स की मांग बढ़ी

नई दिल्ली ।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बावजूद भारत में सोने की कीमतों में पिछले सप्ताह गिरावट देखने को मिली। 24 कैरेट सोना 5,060 रुपये सस्ता होकर दिल्ली में 1,63,800 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 22 कैरेट सोना भी 4,650 रुपये गिरकर 1,50,150 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,100 रुपये घटकर 1,64,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार दूसरे दिन की मुनाफासूली ने घरेलू बाजार पर दबाव डाला। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,640 और 22 कैरेट 1,47,690 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। पुणे और बेंगलुरु में भी यही कीमतें दर्ज की गई हैं। अन्य प्रमुख शहरों जैसे जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,800 रुपए और 22 कैरेट 1,50,150 है। अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट 1,63,700 और 22 कैरेट 1,50,050 रुपए पर कारोबार हो रहा है। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित निवेश वाले एसेट्स की मांग बढ़ी। हाजिर सोना 14.70 डॉलर बढ़कर 5,095.81 प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी की कीमत में भी सासो हिक गिरावट रही। दिल्ली में 8 मार्च की सुबह चांदी 2,85,000 प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 2,71,700 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी 1.4 फीसदी बढ़कर 83.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। जनवरी 2026 में चांदी ने 4,00,000 रुपए के आंकड़े को पार किया था।

पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों से प्रभावित होगा शेयर बाजार

- ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव बाजार में बढ़ा सकता है अस्थिरता

मुंबई । इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं पर निर्भर करेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस संघर्ष के चलते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) की बिकवाली बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक संघर्ष का स्पष्ट परिणाम सामने नहीं आता और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट नहीं होती, विदेशी निवेशक बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश करने की संभावना कम है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड इस सप्ताह 8.52 प्रतिशत उछलकर 92.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च तेल कीमतें भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए नकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर से ऊपर होना भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए बुरी खबर है। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजार के रुझान और एफपीआई की गतिविधियां भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगी।

यदि वैश्विक बाजार सकारात्मक रहेगा, तो कुछ हद तक भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों में तेजी इसे दबाव में रख सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर निवेशक 12 मार्च को आने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये आंकड़े निवेशकों को अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और मौद्रिक नीति के रुझान का संकेत देंगे।

देश की प्रमुख आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.81 लाख करोड़ घटा

- शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस और इंफोसिस के मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट की वजह से देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2,81,581.53 करोड़ रुपये की कमी आई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस ही ऐसी कंपनियां रहीं, जिनके मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 53,952.96 करोड़ रुपये घटकर 10,55,567.27 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 46,936.82 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,40,049.82 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 46,552.3 करोड़ रुपये घटकर 13,19,107.08 करोड़ रुपये रह गया। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 45,629.03 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,43,208.36 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,934.56 करोड़ रुपये घटकर 5,91,136.03 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 14,750.39 करोड़ रुपये बढ़कर 19,01,583.05 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन भी 3,459.99 करोड़ रुपये चढ़कर 5,30,546.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 21,000 करोड़

फरवरी में भारी निवेश के बाद मार्च में बिकवाली

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय इक्विटी से करीब 21,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। फरवरी में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों में सबसे बड़ी मासिक निवेश राशि थी। इससे पहले एफपीआई लगातार तीन महीनों तक शुद्ध विक्रेता रहे थे। जनवरी में 35,962 करोड़, दिसंबर में 22,611 करोड़ और नवम्बर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मार्च की बिकवाली का प्रमुख कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है। एंजेल वन के वरिष्ठ विश्लेषक वकार जावेद खान के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के डर ने ब्रेंट क्रूड की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचा दी, जिससे वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी। इस दौरान रुपया 92 प्रति डॉलर से नीचे चला गया, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष की अनिश्चितता, हालिया बाजार सुधार और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने एफपीआई की बिकवाली को और तेज किया।

खाड़ी क्षेत्र तनाव से तेल-तिलहन बाजार में मजबूती, मूंगफली तेल में गिरावट

- गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े

नई दिल्ली ।

ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के संभावित हमलों के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा है। होर्मुज जलडमरूमुख से तेल और तिलहन के आयात पर असर की आशंका ने बाजार धारणा को मजबूत किया। विशेषकर सोयाबीन तेल की आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, जो भारत में आयातित तेलों में सबसे महत्वपूर्ण है। बीते सप्ताह सरसों की नई फसल की आवक बढ़ी, बावजूद इसके दाम मजबूत रहे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण सप्लाई की चिंताएं बनीं। हरियाणा, राजस्थान और गुजरात सरकारों द्वारा एमएसपी पर सरसों खरीद का ऐलान किसानों के लिए राहत का कारण बना। सरकारी स्टॉक को बढ़ाकर 20-25 लाख टन बनाए रखने की सलाह दी गई है। कांडला बंदरगाह पर सूरजमुखी तेल 162 रुपए प्रे ति किलो और सोयाबीन रिफाइंड तेल 138 रुपए प्रे ति किलो रहे। सूरजमुखी तेल महंगा होने से दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में सोयाबीन तेल पर मांग बढ़ी। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि सोयाबीन की बिजाई से पहले सरकारी स्टॉक को नियंत्रित रूप से जारी किया जाए, ताकि अक्टूबर में किसानों को बेहतर दाम मिल सकें। सरकारी एजेंसियों की मूंगफली की बिक्री के कारण मूंगफली तेल के दाम गिरावट पर रहे। गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और युद्ध की वजह से बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े। नवरात्र और शादी-विवाह के मौसम में बिनौला तेल की मांग बढ़ी। कमजोर आवक और मजबूत बाजार धारणा ने बिनौला तेल के दामों में सुधार किया। सूत्रों के मुतो बिक बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 6,600-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,325-2,425 रुपये और 2,355-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

मिडिल ईस्ट तनाव से एशिया में ऊर्जा संकट बढ़ा

मुंबई ।

मिडिल ईस्ट में हालिया सैन्य घटनाओं ने एशिया में ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डाला है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद शुरू हुई जवाबी कार्रवाई से तेल और गैस उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही लगभग ठप हो गई है। यह मार्ग खाड़ी क्षेत्र के बड़े तेल उत्पादक देशों से एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों तक ऊर्जा पहुंचाने के लिए अहम माना जाता है। ऊर्जा आपूर्ति में बाधा के कारण एशिया के कई देशों में संकट के संकेत दिखने लगे हैं। बिजली कंपनियों और रिफाइनरियों के पास ईंधन का भंडार घटने लगा है। सिंगापुर में जहाजों को ईंधन उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने आपूर्ति सीमित कर दी है। फिलीपींस ने सरकारी दफ्तरों के कामकाज के दिन कम कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश ने रमजान के दौरान सजावटी रोशनी सीमित की है। चीन ने घरेलू जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए रिफाइनरियों से ईंधन निर्यात कम करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा संकट का असर उद्योगों पर भी पड़ रहा है। पाकिस्तान के एक कारोबारी का कहना है कि गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण उत्पादन में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वहीं कतर और संयुक्त अरब अमीरात में हवाई अड्डों के बंद होने से अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक माल भेजना मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह स्थिति लंबी खिंचती है तो एशियाई देशों में ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उत्पादन लागत और ईंधन कीमतें बढ़ सकती हैं, जबकि सरकारों को बचाव के अस्थायी उपाय करने पड़ सकते हैं।

ईवी स्टार्टअप की भागीदारी बढ़ाने ऑटो पीएलआई मानदंडों में ढील की जरूरत: यूलर मोटर्स

यूलर मोटर्स ने अब तक लगभग 1,500 करोड़ रुपए का निवेश किया

नई दिल्ली ।

यूलर मोटर्स ने कहा है कि भारत की ऑटोमोबाइल पीएलआई योजना के वर्तमान मानदंड छोटे और मध्यम ईवी स्टार्टअप्स के लिए बहुत कठोर हैं। योजना के तहत, एक ऑटो निर्माता का न्यूनतम वैश्विक समूह राजस्व 10,000 करोड़ रुपये और अचल संपत्तियों में निवेश 3,000 करोड़ रुपये होना आवश्यक है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार ऐसे उच्च मानक यूलर मोटर्स जैसी कंपनियों को योजना में भाग लेने से रोकते हैं। कंपनी छोटे इलेक्ट्रिक ट्रकों और तिपहिया वाहनों के क्षेत्र में सक्रिय है और इसके पास इलेक्ट्रिक चार-पहिया और तीन-पहिया वाणिज्यिक कार्गो वाहन हैं। यूलर मोटर्स ने अब तक लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है और अगले दो से ढाई वर्षों में 500 से 1,000 करोड़ रुपये और निवेश करने की योजना है। उनका कहना है कि कुल निवेश को ध्यान में रखते हुए, कंपनी अचल संपत्तियों के 3,000 करोड़ रुपये के मानदंड की राह पर है। कुमार ने सुझाव दिया कि केवल अचल संपत्तियों पर जोर देने की बजाय योजना का दायरा स्टार्टअप द्वारा किए गए कुल निवेश तक बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे अधिक स्टार्टअप्स तकनीक और आरएंडडी में निवेश कर सकेंगे और भारत की हरित गतिशीलता यात्रा में योगदान दे सकेंगे। कुमार ने जोर देकर कहा कि चार-पहिया ईवी क्षेत्र में सक्रिय कंपनियां बहुत कम हैं, इसलिए सरकार को छोटे स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना चाहिए।

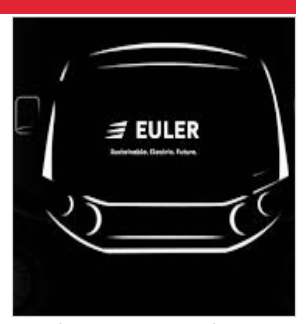

कंपनी ने मांग की है कि पीएलआई योजना को अधिक लचीला बनाया जाए ताकि छोटे और मध्यम ईवी स्टार्टअप्स भी योजना का लाभ उठा सकें। इससे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और हरित वाहनों के विकास को मजबूती मिलेगी।

जैक्कार समूह का लाइटिंग व्यवसाय के राजस्व को 1,700 करोड़ करने का लक्ष्य

- वित्त वर्ष 2024-25 में समूह का कुल कारोबार 7,493 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली ।

बाथरूम और लाइटिंग समाधान में अग्रणी जैक्कार समूह ने अपने लाइटिंग व्यवसाय के विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। समूह के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि लाइटिंग व्यवसाय वर्तमान में समूह के कुल राजस्व का 8-10 प्रतिशत योगदान देता है। वित्त वर्ष 2024-25 में समूह का कुल कारोबार 7,493 करोड़ रुपये था और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 8,300 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

चालू वित्त वर्ष में लाइटिंग व्यवसाय से लगभग 700 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। जैक्कार लाइटिंग के पोर्टफोलियो में एलईडी, व्यावसायिक, आउटडोर और फसाड लाइटिंग के साथ-साथ उपभोक्ता प्रकाश उत्पाद जैसे बल्ब और ट्यूब लाइट शामिल हैं। कंपनी तकनीकी नवाचार और उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में लाइटिंग व्यवसाय का राजस्व 1,600-1,700 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इसके लिए भिवाड़ी में नए लाइटिंग संयंत्र के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश योजना में शामिल है। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति की तेज गति के कारण अगले दो-तीन वर्षों में अतिरिक्त निवेश 50-60 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जैक्कार लाइटिंग का यह रणनीतिक विस्तार समूह के कुल राजस्व में लाइटिंग का योगदान बढ़ाने के साथ-साथ तकनीकी उन्नति और उत्पादन क्षमता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं हैं। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया हैं। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूज़ीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बॉस का खिताब भी मिला।

इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छहवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था।

जेकब बेथल का यह रिकॉर्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया। उनके खेल से यह साफ हो गया कि युवा खिलाड़ी बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप-6 बैटर

फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)
जेकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)
क्रिस गेल-47 गेदों में बनाम इंग्लैंड (2016)
क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)
हैरी ब्रुक- 50 गेदों में बनाम पाकिस्तान (2026)
ब्रैंडन मैक्कुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबॉल का एक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट है. के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी।

मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट और कनाडा के साथ मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। मेक्सिको में कुल 13 मैच खेले जाएंगे, जिनमें पांच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडालाजारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे।

भारतीय वॉलीबॉल के 'गॉड' जिम्मी जॉर्ज : एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वॉलीबॉल आज भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जॉर्ज। उन्हें भारतीय वॉलीबॉल का ÷गॉड÷ कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरवूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जॉर्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वॉलीबॉल से लगाव हो गया था।

जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कॉलेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वॉलीबॉल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिवर्सिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जॉर्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वॉलीबॉल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कॉलेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

– चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे।

भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी।

टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था।

इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट : न्यूजीलैंड के रैंडेल ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर इतिहास रचा

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए इस गेंदबाज ने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। रैंडेल ने यह उपलब्धि उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ बनाया। एक रिकॉर्ड के अनुसारसाल 1772 में पहला मान्यता प्राप्त फर्स्ट क्लास मैच खेले जाने के बाद से ही अब तक किसी भी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट नहीं लिए थे। ऐसे में रैंडेल यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रैंडेल ने अपने दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हैरी कूपर जबकि इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जीत रावल को आउट कर दिया। इसके बाद लगातार तीन और गेंदों पर तीन विकेट लिए। ऑलराउंडर क्रिस्टीयन क्लार्क का विकेट उनका पांच विकेट था।रैंडेल इस रिकार्ड को बनाने से बेहद खुश नजर आये। उन्होंने कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने बताया कि उनका ध्यान केवल सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालने का था। हैट्रिक के बाद भी वह विकेट लेने पर ध्यान देते रहे। रैंडेल ने अपने अगले ओवर में दो और विकेट लिए। उनकी इस गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पूरी टीम केवल 82 रन पर ही सिमट गयी।

कनाडा ने शीबिलीव्स कप में अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया

हैरिसन (अमेरिका)। गोलकीपर केलेन शेरिडन ने शुरुआती दो पेनल्टी बचाई जिससे कनाडा ने शीबिलीव्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में गोल रहित ड्रॉ के बाद अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया। जोर्डिन हुइतेमा को पहले हाफ में कनाडा की ओर से गोल दागने का स्वर्णिम मौका मिला था लेकिन अर्जेन्टीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने उनके शॉट पर हाथ मार दिया जिसके बाद गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। शीबिलीव्स कप के नए नियमों के अनुसार मैच में अतिरिक्त समय का खेल नहीं होता और नतीजे के लिए सीधे पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया जाता है। शेरिडन ने अर्जेन्टीना के शुरुआती दो प्रयासों को नाकाम किया और कनाडा ने तब जीत सुनिश्चित की जब विरोधी टीम की वेनिना प्रेनिंगर का शॉट क्रॉसबार से ऊपर से बाहर निकल गया।

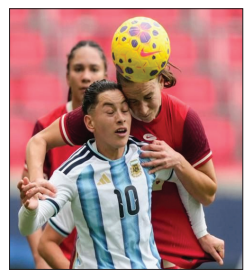

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हराया, मेसी और डी पॉल ने मारा गोल

बाल्टीमोर (एजेंसी)। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल और कप्तान लियो मेसी के गोल की मदद से इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने 3 अंक हासिल किए। मियामी ने 17वें मिनट में डी पॉल की मदद से पहला गोल कर बढ़त बनाई। बर्टेराम ने बाईं ओर से दबाव बनाया और एंडलाइन के पास गेंद पर कब्जा किया, फिर बॉक्स के अंदर सेगोविया के लिए पास वापस किया। फिर सेगोविया ने बॉक्स के दाईं ओर डी पॉल को पाया, जहां एल मोटोरसिटो ने टच लिया और फिर दाएं पैर से टॉप-लेफ्ट कॉर्नर पर हिट किया। यह असिस्ट सेगोविया का इस रेगुलर सीजन का तीसरा असिस्ट था। मेसी ने 27वें मिनट में दूसरा गोल करके इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल से मेसी के इस रेगुलर सीजन में तीन गोल हो गए, जबकि यह असिस्ट सिल्वेटी का पहला गोल था। यह गोल इंटर मियामी के लिए मेसी का 80वां गोल था।

मेजबान टीम की तरफ से दूसरे हाफ में 75वें मिनट में ताई बारिबो ने पहला गोल किया। इंटर मियामी की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। हेड कोच जेवियर माशेरानो ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहला हाफ बहुत अच्छा था। हमने गेम को नियंत्रित किया, हमने फर्क पैदा किया और मौके बनाए। शायद दूसरे हाफ में हमने ज्यादा संघर्ष किया। मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक चीजों को महत्व देना होगा। तीन अवे गेम में, हमने दो जीत हासिल की हैं। सुधार करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जीत के बाद सुधार करना हमेशा बेहतर होता है।' इंटर मियामी का अगला मुकाबला बुधवार को कॉनकाकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 के पहले लेग में नैशविले एससी से होगा।

भारत को एएफसी महिला एशियाई कप में जापान ने 11-0 से रौंदा

पर्थ। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0-11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5-0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। 2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45+5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे।

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे लक्ष्य लक्ष्य, लिन चुन-यी ने दी मात

बर्मिंघम। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन यहां ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अपने विरोधी लिन चुन-यी से हार गए। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में फिर से चैंपियन देखने का देश का इंतजार जारी रहा। 24 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन बाएं हाथ के ताइवानी शटलर की चुनौती को पार नहीं कर सके और कड़े खिताबी मुकाबले में 15-21, 20-22 से हार गए। यह सेन की लिन से लगातार पांचवीं हार थी और टूर्नामेंट में दूसरे रनर-अप रहे। उन्होंने 2022 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके थे। सेन ने शनिवार को सेमीफाइनल में मुश्किल जीत के दौरान छालों और ऐंठन से जूझते हुए जीत हासिल की। उन्होंने पूरे हफ्ते एक जोशीला अभियान चलाया जिसमें लिन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में हारने से पहले कई ऊंची रैंक वाले विरोधियों को हराया। इतिहास में सिर्फ दो भारतीय प्रकाश पादुकोण (1980) और पी गोपीचंद (2001) ने ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता है।

मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम विश्वकप में भाग नहीं ले पायी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

– एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

बर्मिंघम (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला।

इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रही। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुई। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में सदरलैंड छायी रहीं। सदरलैंड ने दोनो पारी को मिलाकर कुल छह विकेट लेने के साथ ही 129 रन भी बनाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महज 4 रन बनाकर आउट हुईं. प्रतीका रावल ने 3 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड का शिकार बनीं।पहली पारी में हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने ही केवल अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर आउट हुई एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट लिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। एलिसा भी सस्ते में आउट हो गईं, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। पेरी ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई टीम को 323 रन तक पहुंच गया। वहीं भारतीय टीम की ओर से सयाली सतघरे ने सबसे अधिक चार विकेट लिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच सुलह के लिए आगे आया रूस, विदेश मंत्रियों ने की बातचीत

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान काबुल और इस्लामाबाद के बीच जारी तनाव के साथ-साथ ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमलों के बाद की स्थिति पर भी चर्चा की गई। रूस के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी बयान के अनुसार, लावरोव ने काबुल और इस्लामाबाद के बीच मतभेदों को राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से सुलझाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की, जिसमें ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई के बाद के प्रभावों का भी जिक्र हुआ। इसके अलावा अफगानिस्तान-पाकिस्तान संबंधों में सैन्य और राजनीतिक तनाव कम करने की संभावनाओं पर भी बात की गई। हालांकि इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले बुधवार को रूस के विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा था, 'अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर जारी झड़पों को लेकर हम चिंतित हैं।

अमेरिका -वेनेजुएला के रिश्तों में नई शुरुआत? : राजनयिक संबंध बहाल करने पर सहमति : अमेरिकी विदेश मंत्रालय

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका और वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों ने राजनयिक और कांसुलर संबंध फिर से स्थापित करने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य दक्षिण अमेरिकी देश में एक नई सरकार के चुनाव के लिए शांतिपूर्ण परिवर्तन को बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, यह कदम वेनेजुएला में स्थिरता को बढ़ावा देने, आर्थिक सुधार का समर्थन करने और राजनीतिक सुलह को आगे बढ़ाने के हमारे संयुक्त प्रयासों को सुगम बनाएगा। हमारी भागीदारी वेनेजुएला के लोगों को एक चरणबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से आगे बढ़ने में मदद करने पर केंद्रित है जो लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के लिए शांतिपूर्ण परिवर्तन की स्थिति का निर्माण करती है। महीनों के तनाव के बाद अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद देश में कई बदलाव हुए जिनमें अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज का शपथ ग्रहण भी शामिल है।

कनाडा में भारतीय मूल की इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की हत्या

टोरंटो, एजेंसी। भारतीय मूल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कनाडा में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना मंगलवार शाम विंडसर के पास हुई। नैन्सी की मां शिंदर पाल ग्रेवाल का आरोप है कि हमलावरों ने उनकी बेटी पर 18 बार चाकू से हमला किया और उसकी हत्या कर दी। परिवार के अनुसार, यह हमला किसी पुराने विवाद के कारण किया गया। परिजनों का कहना है कि नैन्सी मूल रूप से लुधियाना जिले के नरंग गांव की रहने वाली थीं। वह कनाडा में एक मरीज से मिलने गई थीं। घर के बाहर निकलते ही कुछ अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। मां ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने ऐसी जगह पर वारदात को अंजाम दिया जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे, जिससे साफ है कि हमला पहले से योजनाबद्ध था। परिवार के मुताबिक, नैन्सी का विवाद एक गुरुद्वारे से जुड़े कुछ लोगों के साथ चल रहा था। आरोप है कि उन्होंने गुरुद्वारे के राशन की चोरी का मुद्दा उठाया था और वहां कैमरे लगवाने में मदद की थी। उनकी मां का कहना है कि इसी विवाद के बाद उन्हें धमकियां मिलने लगी थीं। 45 वर्षीय नैन्सी ग्रेवाल पेशे से नर्स थीं और दो कंपनियों में काम करती थीं, जहां वे अक्सर 16 घंटे तक की शिफ्ट करती थीं।

अमेरिका ने इक्वाडोर में की सैन्य कार्रवाई, नार्को-आतंकवाद के खात्मे का ऑपरेशन सफल

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर में अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं ने मिलकर नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ सटीक और निर्णायक सैन्य अभियान चलाया। यह जानकारी अमेरिकी साउथर्न कमांड ने साझा की। साउथर्न कमांड के कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देशन में यह अभियान इक्वाडोरियन सुरक्षा बलों के सहयोग से संपन्न हुआ। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। जनरल डोनोवन ने कहा 'हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर नार्को-आतंकवाद के खिलाफ आगे बढ़ रहे हैं। मैं संयुक्त सेनाओं और इक्वाडोरियन सशस्त्र बलों को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देता हूं। यह सहयोग और निर्णायक कार्रवाई पश्चिमी गोलार्ध के लिए रणनीतिक सफलता है, जो नार्को-आतंकवाद को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' साउथर्न कमांड के वरिष्ठ प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ और देश की सुरक्षा बलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने नार्को-आतंकवादी आपूर्ति केंद्रों को बाधित किया।

बालेन शाह की 'सुनामी' में उड़े नेपाल के कई दिग्गज, बहुमत की ओर आरएसपी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के संसदीय चुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझानों ने दक्षिण एशिया की राजनीति को स्तब्ध कर दिया है। 150 निर्वाचन क्षेत्रों में जारी मतगणना में रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली आरएसपी ने अभूतपूर्व बढ़त बना ली है। नेपाल की युवा पीढ़ी ने पारंपरिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी) और यूएमएल को पूरी तरह नकारते हुए बदलाव के पक्ष में वोट दिया है। 275 सीटों वाली प्रतिनिधि सभा राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 108 सीटों पर आगे है। नेपाली कांग्रेस (एनसी) और सीपीएन-यूएमएल 12-12 सीटों पर आगे है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी - संयुक्त मोर्चा) के खाते में फिलहाल सिर्फ 9 सीटें जाती दिख रही हैं। सबसे बड़ी खबर झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से आ रही है, जहां 35 वर्षीय रैपर से नेता बने बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री और यूएमएल अध्यक्ष के.पी. शर्मा ओली पर एक मजबूत बढ़त बना ली है।

के.पी. ओली के अलावा, शेर बहादुर देउबा की कांग्रेस के शेखर कोइराला, अरबपति विनोद चौधरी, विष्णु पौडेल, राजेंद्र लिंगदेन और पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल जैसे दिग्गज अपनी सीटों पर पिछड़ रहे हैं। पुराने नेताओं में केवल पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ही अपनी साख बचाते दिखे हैं। उन्हें पूर्वी रुकुम सीट से विजयी घोषित किया गया है।

आरएसपी की जीत के मायने :

भारत सरकार के रणनीतिक गलियारों में इस जीत को बहुत बारीकी से देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत-नेपाल संबंध सीमा विवाद और चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण तनावपूर्ण रहे हैं। बालेन शाह और रवि लामिछाने की जोड़ी को व्यावहारिक और राष्ट्रवादी माना जाता है। भारत यह देखेगा कि क्या बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल अपनी 'पड़ोसी पहले' नीति को फिर से संतुलित करेगा या चीन के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा। नेपाल की संसद की 165 सीटें 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' (प्रत्यक्ष चुनाव) के तहत आती हैं, जिनके परिणाम शनिवार तक स्पष्ट हो जाएंगे। शेष 110 सीटें 'समानुपातिक प्रतिनिधित्व' प्रणाली के माध्यम से भरी जाएंगी, जहां पार्टियों को मिलने वाले कुल वोटों का प्रतिशत उनकी अंतिम ताकत तय करेगा।

कैसे शुरू हुआ राजनीतिक सफर : बालेन शाह का यह सफर आसान नही रहा है। साल 2022 में रैप की दुनिया से पहचान बनाने वाले स्ट्रक्चरल इंजीनियर बालेन शाह ने उस वक्त सबको चौंका दिया था, जब उन्होंने नेपाल के बड़े राजनीतिक दलों को हराकर काठमांडू के मेयर का पद जीता। उनका चुनाव चिह्न छड़ी था। उन्हें चुनाव में 61,767 वोट मिले। उन्होंने नेपाली कांग्रेस की सिर्जना सिंह को हराया, जिन्हें 38,341 वोट मिले थे। वहीं, सीपीएन-यूएमएल के उम्मीदवार और पूर्व मेयर केशव स्थापित को 38,117 वोट मिले। अब चार साल बाद 35 साल के बालेन शाह देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। उनकी यह सफलता अचानक नहीं मिली है। साल 2013 में वह 'रॉ बर्ज' रैप बैटल से मशहूर हुए थे। मेयर बनने से पहले उन्होंने ढाई साल तक जमीन पर काम किया। उन्होंने हिमालयन व्हाइट हाउस कॉलेज से इंजीनियरिंग की और भारत से मास्टर डिग्री ली। उनकी पढ़ाई और तकनीकी समझ ने जनता का भरोसा जीता।

दशकों पुराने ओली के दबदबे को किया खत्म : बालेन की राजनीतिक रणनीति बहुत सोची-समझी रही है। सितंबर के विरोध प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत के बाद केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया था। उस समय युवाओं ने बालेन को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए कहा। बालेन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का समर्थन किया। उन्होंने छह महीने की अस्थायी सरकार के बजाय पांच साल के पूर्ण कार्यकाल को चुना।

18 जनवरी 2026 को बालेन औपचारिक रूप से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) में शामिल हो गए। उन्होंने अगले ही दिन जनकपुर से अपना चुनाव प्रचार शुरू किया। उन्होंने झापा-05 सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया। यह इलाका दिग्गज नेता केपी शर्मा ओली का गढ़ माना जाता है। जानकारों का मानना है कि बालेन की लोकप्रियता ओली के दशकों पुराने दबदबे को खत्म कर दी है।

एपस्टीन फाइल- ट्रम्प पर नाबालिग के यौन शोषण का आरोप:नए दस्तावेज में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में न्याय विभाग ने कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज जारी किए हैं। एफबीआई को दिए इंटरव्यू में महिला ने दावा किया कि एपस्टीन ने उसकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प से कराई थी। ट्रम्प ने उनका यौन शोषण किया। तब वे नाबालिग थीं। ये पेज पहले जारी नहीं किए गए थे। एफबीआई ने महिला के दावों से जुड़े 4 इंटरव्यू किए थे। पर शुरुआती रिलीज में सिर्फ एक इंटरव्यू का सार दिखा, जिसमें महिला ने एपस्टीन के खिलाफ आरोप बताए थे। बाकी तीन इंटरव्यू गायब होने पर सवाल उठ रहे थे। अधिकारियों ने अब कहा कि इन्हें गलती से 'डुप्लीकेट' मानकर रोक दिया गया था। बाद में रिव्यू किया तो यह बात गलत निकली।

ट्रम्प की फाइल दबाने का आरोप : अमेरिका की विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन से जुड़े डॉक्यूमेंट हैंडल करने के तरीके को लेकर ट्रम्प सरकार पर सवाल उठा रही है। उनका आरोप है कि ट्रम्प प्रशासन ने एपस्टीन जांच से जुड़ी ऐसी जानकारियां दबाईं, जो ट्रम्प को नुकसान पहुंचा सकती थीं। हाउस की एक कमेटी ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को नोटिस जारी करने के पक्ष में वोट किया। उन्हें कोर्ट में

जवाब देना होगा। महिला का आरोप- एपस्टीन और ट्रम्प ने उसका यौन-शोषण किया ट्रम्प पर आरोप लगाने वाली महिला के 2019 में एफबीआई ने कई इंटरव्यू लिए थे। गुरुवार को जो डॉक्यूमेंट जारी हुए हैं, उनमें इन्हीं इंटरव्यू के डिटेल्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस इंटरव्यू में उस महिला ने आरोप लगाया कि जब उसकी उम्र 13 से 15 साल के बीच थी, तब एपस्टीन और ट्रम्प ने उसका यौन-शोषण किया था। एक इंटरव्यू में महिला ने कहा कि एपस्टीन उसे न्यूयॉर्क या न्यूजर्सी ले गया था और वहीं ट्रम्प से मिलवाया था। महिला ने जांचकर्ताओं को बताया कि जब ट्रम्प उस पर सेक्स करने के लिए दबाव डाल रहे थे, तब उसने उन्हें काट भी लिया था। महिला का यह भी दावा है कि पिछले कई सालों में उसे और उसके करीबी लोगों को चुप रहने के लिए धमकी भरे कई फोन कॉल भी आए थे। महिला का मानना है कि ये कॉल एपस्टीन से जुड़े लोगों की तरफ से हो सकते थे।

ईरान में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट, रेजा पहलवी का दावा- लोगों ने मुझे लीड करने को कहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के अंतिम शाह के बेटे और निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश जारी कर मध्य पूर्व के अरब देशों पर ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की है। पहलवी ने इन हमलों को संप्रभुता का अस्वीकार्य उल्लंघन बताते हुए घोषणा की कि उन्होंने ईरानी जनता के उस जनादेश को स्वीकार कर लिया है, जो उन्हें इस्लामिक गणराज्य के पतन के बाद देश का नेतृत्व करने के लिए दिया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन, कतर, कुवैत, ओमान, जॉर्डन, इराक और सऊदी अरब पर दागी गई मिसाइलें इस शासन की दशकों पुरानी आक्रामक नीति का हिस्सा हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, 'इस्लामिक गणराज्य ने हमारे अरब पड़ोसियों को निशाना बनाया है। यह इस शासन का असली चेहरा है जिसने पाँच दशकों से क्षेत्र में रक्तपात और अराजकता फैला रखी है। यह अब समाप्त होना चाहिए। क्राउन प्रिंस ने एक व्यवस्थित संक्रमण का वादा किया है। उन्होंने कहा कि वे प्रशासनिक ढांचे और लोक सेवकों को

बनाए रखेंगे ताकि देश में स्थिरता बनी रहे। उन्होंने कहा कि भविष्य का फैसला मतपेटी से होगा। विचारधारा के निर्यात के बजाय पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित कूटनीति की बात उन्होंने की। शासन के गिरने के बाद वे परिवर्तन प्रक्रिया का नेतृत्व करेंगे। पहलवी ने अरब देशों से आह्वान किया कि वे भविष्य की 'संक्रमणकालीन सरकार' को मान्यता देने और उसके साथ जुड़ने के लिए तैयार रहें। उन्होंने एक ऐसे मध्य पूर्व के निर्माण का आह्वान किया जिस पर आने वाली पीढ़ियां गर्व कर सकें। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया महायुद्ध की आग में जल रहा है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले में खामेनेई और शीर्ष सैन्य कमांडरों की मौत हो गई।

हफ्ते भर के युद्ध में ही हिल गई दुनिया, ईरान संकट के बीच बहुत कुछ बदल गया

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के युद्ध को आज एक सप्ताह पूरा हो रहा है। एक सप्ताह में ही इस युद्ध का असर पूरी दुनिया में पड़ा है। एक तरफ यूरोप से लेकर एशिया तक की अर्थव्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं तो दूसरी ओर खाड़ी देशों में हमले भी खूब हुए हैं जिनमें जान और माल दोनों का नुकसान हुआ है। खाड़ी देशों में फंसे पर्यटक अब भी संकट का सामना कर रहे हैं। ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले किए थे जिनमें ईरान के सर्वोच्चा नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे।

संघर्ष बढ़ता ही जा रहा : इस सैन्य हमले के बाद ईरान ने मुख्य रूप से इजराइल और संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन तथा सऊदी अरब समेत कई खाड़ी देशों में

अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए हमले किए। पिछले तीन दिनों में दोनों पक्षों की ओर से हमलों और जवाबी हमलों के बीच यह संघर्ष काफी बढ़ गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल : युद्ध के सातवें दिन शुक्रवार को भी इजरायल के लड़ाकू विमान मंडराते रहे। समंदर में हजारों तेल के जहाज फंसे हुए हैं। इनमें 36 जहाज भारत के भी हैं। ऐसे में तेल की आपूर्ति में बड़ी बाधा उत्पन्न हुई है। कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने चेतावनी दी कि यह युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने पर तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। शुक्रवार को अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत दो वर्षों में पहली बार 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी कि जल्द ही बड़े पैमाने पर बमबारी अभियान शुरू किया जा सकता है, जिसे अधिकारी सप्ताह भर से जारी संघर्ष का अब तक का सबसे तीव्र हमला बता रहे हैं। क्षेत्र में लड़ाई खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इज़राइल को 15.1 करोड़ डॉलर के नए हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि देश अपनी रक्षा के लिए ''हर जरूरी कदम'' उठाएगा।

विश्व कप के दौरान मेक्सिको में रहेगी कड़ी सुरक्षा: राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम

मेक्सिको सिटी , एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने शनिवार को कहा कि मेक्सिको इस साल के फीफा विश्व कप के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए करीब 100,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती करेगा। शीनबाम ने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडलहारा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जैसा कि आप देख सकते हैं, हम विश्व कप के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा, 'हम यहां जलिस्को के सभी लोगों को यह बताने आए हैं कि हम एक साथ हैं। हम इस खूबसूरत राज्य के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई के लिए काम कर रहे हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह

घोषणा पिछले महीने एक आर्मी ऑपरेशन में कार्टेल लीडर नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वेंटेस की मौत के बाद देश भर में हिंसा में हुई बढ़ोतरी के बाद की गई है। 22 फरवरी को एल मेंचो की मौत के बाद, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल, जिसका वह कभी नेतृत्व करता था, ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कें जाम कीं और गाड़ियों में आग लगा दी। ग्वाडलहारा में 12,000 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। सुरक्षा योजना में निजी सुरक्षा कंपनियों के सदस्यों के अलावा 20,000 सैनिक और 55,000 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक उन्हें 2,500 मिलिट्री और सिविलियन गाड़ियों, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और दूसरी चीजों का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों से मदद मिलेगी।

मेक्सिको के मिलिट्री ऑफिसर जनरल रोमन विलाल्वाजो को सुरक्षा कार्यों को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा, 'पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और अच्छी तरह से व्यवस्थित मेक्सिको को पेश करना है। दूसरा यह है कि मैक्सिकन सरकार में उन विरोधों का सामना करने की क्षमता हो जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं।' विल्लाल्वाजो ने कहा कि मैक्सिकन सुरक्षा बलों ने जनवरी में खास ट्रेनिंग शुरू कर दी है, और आने वाले सप्ताह में इसके और तेज होने की योजना है।

मेक्सिको 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका और कनाडा के साथ विश्व कप की सहमेजबानी करेगा। मेक्सिको में 13 मैच खेले जाने हैं जिसमें- पांच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडलहारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने पिछले सप्ताह कहा था कि उन्हें टूर्नामेंट की मेजबानी करने की मैक्सिको की क्षमता पर पूरा भरोसा है।

पाकिस्तान में शिया प्रदर्शनकारियों पर सेना की गोलीबारी: 38 की मौत

स्कार्दू , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगिट-बाल्टिस्तान के सबसे बड़े शहर स्कार्दू में भीषण हिंसा भड़क उठी। पहली मार्च को शुरू हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तानी सेना व अर्द्धसैन्य बलों की गोलीबारी में बाल्टी-शिया समुदाय के 38 लोगों की मौत हो गई। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। इससे क्रोधित प्रदर्शनकारियों ने सैन्य प्रतिष्ठानों व सरकारी दफ्तरों में तोड़फोड़ की और आग के हवाले कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद हिंसा भड़की। शुरुआती झड़पों के बाद 13 लोगों के मारे जाने की सूचना आई थी, लेकिन बाद में घायलों की मौत के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 38 तक पहुंच गई। इससे गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। कई शहरों में रैली, अमेरिकी दूतावास ने जारी किया अलर्ट अमेरिकी-इस्त्राइली हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामनेई की मौत की निंदा करते हुए अल्पसंख्यक शिया समुदाय के लोगों ने शुक्रवार को राजधानी इस्लामाबाद समेत देश के कई हिस्सों में रैलियां निकालीं। इसे देखते हुए पाकिस्तान स्थित अमेरिकी दूतावास ने परामर्श जारी करते हुए अपने नागरिकों को संभावित हिंसा के प्रति सतर्क किया है।

अमेरिकी दूतावास ने अपने लोगों को दी सलाह : दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को हिंसा प्रभावित बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तरफ नहीं जाने की सलाह दी है। इस्लामाबाद में भारी सुरक्षा के बीच 300 से अधिक प्रदर्शनकारी खामनेई के पोस्टर के साथ धरने पर बैठे। वे लोग अमेरिका की मौत हो, सुन्नी समुदाय के लोगों ने अलग से धरना दिया। पाकिस्तान की आबादी में शिया मुसलमानों की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है।

संचार संस्थान भी आग के हवाले : स्कार्दू और आसपास के इलाकों में पाकिस्तानी सेना से जुड़े कार्यालयों, आवासीय परिसरों और अन्य सरकारी इमारतों में आग लगा दी गई। इनमें स्कार्दू ब्रिगेड के कमांडर का आवास, पाकिस्तानी नॉर्दर्न लाइट इन्फैंट्री के ऑफिस व आवासीय परिसर, आर्मी पब्लिक स्कूल, पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क और ग्रीन टूरिज्म कार्यालय शामिल है।

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाला पाकिस्तानी व्यक्ति दोषी करार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी व्यक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य नेताओं की हत्या की साजिश रचने का दोषी पाया गया है। इस व्यक्ति के संबंध ईरान से हैं। उसने यह साजिश ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची थी। सुलेमानी की मौत साल 2020 में एक अमेरिकी हमले में हुई थी।

मामले में 48 साल के आसिफ रजा मर्चेंट को शुक्रवार को ब्रुकलिन की अदालत में दोषी ठहराया गया। एक फेडरल जूरी ने उसे भाड़े पर हत्या करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश का अपराधी माना। मर्चेंट को अब उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने बताया कि मर्चेंट खास तौर पर ट्रंप को मारने के इरादे से अमेरिका आया था।

आईआरजीसी से मिला दोषी का लिंक : अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) का एक प्रशिक्षित एजेंट था। उसने अदालत में माना कि साल 2024 में आईआरजीसी ने उसे राजनीतिक हत्याओं का इंतजाम करने के लिए अमेरिका भेजा था। उसके निशाने पर ट्रंप के अलावा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और निक्की हेली भी हो सकते थे। मर्चेंट ने स्वीकार किया कि उसका मुख्य लक्ष्य ट्रंप ही थे। मर्चेंट अप्रैल 2024 में अमेरिका पहुंचा था। जून में वह कुछ लोगों से मिला जिन्हें वह हत्यारा समझ रहा था। असल में वे न्यूयॉर्क पुलिस के अंडरकवर अधिकारी थे। जुलाई 2024 में देश छोड़ने से पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पामेला बोंडी ने कहा कि यह आदमी ट्रंप को मारने की उम्मीद में आया था, लेकिन उसका सामना अमेरिकी कानून की ताकत से हुआ।

एफबीआई ने क्या कहा : एफबीआई के अनुसार, मर्चेंट ने ईरानी शासन के कहने

पर अमेरिकी नेताओं की हत्या की योजना बनाई थी। यह लोकतंत्र पर हमला करने की एक नाकाम कोशिश थी। मर्चेंट ने 2022 के अंत में आईआरजीसी के लिए काम करना शुरू किया था। वहां उसने जासूसी और निगरानी की ट्रेनिंग ली थी। इसके बाद उसे अमेरिका में नए लोगों को भर्ती करने के लिए भेजा गया। मर्चेंट ने गवाही दी कि उसे सुलेमानी की मौत का बदला लेने का काम सौंपा गया था। इसके लिए उसने न्यूयॉर्क में एक परिचित से संपर्क किया। उस व्यक्ति ने पुलिस को इसकी जानकारी दे दी और वह गवाह बन गया। जून 2024 में मर्चेंट ने उस गवाह को बताया कि उसके पास हत्या का एक मौका है। उसने हाथ से बंदूक का इशारा करके अपनी योजना समझाई। मर्चेंट ने अंडरकवर अधिकारियों से तीन काम करने को कहा, जिसमें दस्तावेज चोरी करना, रैलियों में विरोध प्रदर्शन करना और एक बड़े नेता को मारना शामिल था। उसने रैलियों की सुरक्षा के बारे में अपने ईरानी हैंडलर को रिपोर्ट भी भेजी थी। उसने हत्या के लिए 5,000 डॉलर का एडवांस पेमेंट भी किया। 21 जून को पैसे देते समय उसने अधिकारियों से कहा कि अब वे इस काम के लिए साथ हैं। इसके बाद उसने अमेरिका से भागने की तैयारी की, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। मर्चेंट ने माना कि वह जानता था कि आईआरजीसी एक आतंकी संगठन है। वह अपने हैंडलर से मिलने कई बार ईरान भी गया था। अदालत के दस्तावेजों और ट्रायल के दौरान दी गई गवाही के अनुसार, आसिफ मर्चेंट ने 2022 के अंत या 2023 की शुरुआत में पाकिस्तान में रहकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के लिए काम करना शुरू किया था। इसी अवधि में उसे 'ट्रेडक्राफ्ट' (जासूसी और खुफिया काम करने के तरीके) का विशेष प्रशिक्षण दिया गया था, जिसमें काउंटर-सर्विलांस (निगरानी या खुफिया एजेंसियों से बचने की तकनीक) की ट्रेनिंग मुख्य रूप से शामिल थी। मर्चेंट ने अदालत में यह भी स्वीकार किया कि उसे इस बात की पूरी जानकारी थी कि आईआरजीसी एक घोषित आतंकी संगठन है। इस ट्रेनिंग को पूरा करने के बाद, 2023 में उसे ऐसे संभावित आईआरजीसी रंगरूटों की तलाश करने के लिए अमेरिका भेजा गया था, जो वहां रहकर संगठन के लिए काम कर सकें। इसके अलावा, इस पूरी अवधि के दौरान मर्चेंट अपने आईआरजीसी हैंडलर से मिलने और निर्देश प्राप्त करने के लिए बार-बार ईरान की यात्रा भी करता रहा था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक रुपये में जूते वाले ऑफर से मचा हंगामा, भीड़ नियंत्रित करने पुलिस ने भांजी लाठी

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में मात्र 1 रुपये में जूते देने के एक प्रचार ऑफर ने रविवार को भारी हंगामे का रूप ले लिया। बड़ी संख्या में लोग ऑफर का फायदा उठाने के लिए पहुंच गए, जिससे हालात बेकाबू हो गए और पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, दुकान ने पहले 100 ग्राहकों को सिर्फ 1 रुपये में महंगे जूते देने का विज्ञापन जारी किया था। यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद सैकड़ों लोग तड़के ही दुकान के बाहर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि कई लोग रात 2 बजे से ही लाइन में लग गए थे। पुलिस के अनुसार, दुकान की क्षमता से कहीं ज्यादा भीड़ जमा हो गई, जिसमें बच्चे भी शामिल थे। कुछ लोग दूर-दराज के जिलों से भी पहुंचे थे। भारी भीड़ के कारण इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया। स्थिति जब नियंत्रण से बाहर हो गई, तो पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना के बाद तनाव फैलाने और अव्यवस्था पैदा करने के आरोप में दुकान के मालिक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

युद्ध गप्प विरुद्ध पोस्टर लगा कांग्रेस ने आप को घेरा, कहा- पंजाब सरकार की वादा खिलाफी उजागर

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर में कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ चुनावी प्रचार तेज करते हुए युद्ध गप्प विरुद्ध अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत नकोदर और शाहकोट समेत कई इलाकों में पोस्टर लगाए गए हैं, जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पोस्टरों में स्पष्ट रूप से लिखा गया है युद्ध गप्प विरुद्ध और पंजाब सरकार पर महिलाओं के लिए किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया गया है। इन पोस्टरों में अखबार पकड़े एक महिला की तस्वीर दिखाई गई है, जबकि नकोदर क्षेत्र में लगे पोस्टरों पर शाहकोट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हरदेव सिंह लाडी शेरोवालिया और नवजोत सिंह दहिया की तस्वीरें भी शामिल हैं। पोस्टरों में यह भी लिखा गया है कि अब इंतजार खत्म हुआ, और 18 वर्ष से ऊपर की हर महिला को 4 साल के लिए 48,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। कांग्रेस का उद्देश्य पंजाब सरकार को घेरना और महिलाओं से किए गए वादों की याद दिलाना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जालंधर के लगभग हर गांव के घरों की दीवारों पर यह पोस्टर देखे जा सकते हैं, जिसके चलते राजनीतिक बहस और चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस के इस अभियान को क्षेत्रीय स्तर पर चुनावी संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें आप की नीतियों और वादाखिलाफी पर जोर दिया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जावेद सिद्दीकी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में जावेद सिद्दीकी को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने यह राहत उनकी पत्नी के गंभीर स्वास्थ्य हालात को देखते हुए दी, जिनका स्टेज-4 ओवेरियन कैंसर का इलाज चल रहा है। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने कहा कि सिद्दीकी की पत्नी की कीमोथेरेपी चल रही है और इस कठिन समय में उन्हें परिवार के सदस्य के सहयोग की आवश्यकता है। इसी आधार पर अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दो सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की। यहां बताते चलें कि जावेद सिद्दीकी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन हैं और उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। यह मामला लाल किला ब्लास्ट केस से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन से संबंधित बताया जा रहा है। अदालत ने जमानत देते हुए कई सख्त शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जावेद सिद्दीकी बिना अनुमति के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपना मोबाइल फोन हमेशा सक्रिय रखना होगा और अपना पासपोर्ट अदालत में जमा करना होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान वह मामले से जुड़े किसी भी गवाह या शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं करेंगे। यदि इन शर्तों का उल्लंघन होता है तो जमानत रद्द की जा सकती है।

भारत लौट कर अच्छा लगा भारत और दुबई सरकार ने हमारी खूब मदद की

-यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में फंसे हैं या सुरक्षित नहीं

पुणे (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच दुबई से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर वापस लाया गया है। पुणे एयरपोर्ट पर उतरने के बाद भारतीय नागरिकों के चेहरे पर खुशी नजर आई उन्होंने सरकार की तारीफ की। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंची महिला यात्री ने कहा कि शुरू में जब लड़ाई शुरू हुई तो डर लग रहा था, लेकिन उसके बाद कॉलेज, भारतीय दूतावास और भारत सरकार ने बहुत मदद की। सब कुछ बहुत अच्छा था।

उन्होंने कहा कि वापस लौटकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम जल्द लड़ाई रुकने की उम्मीद करते हैं, जिससे वापस कॉलेज लौट सकें और पढ़ाई कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बहुत ही ईमानदारी के साथ अच्छा काम कर रही है। हम अपनी भारत सरकार पर भी गर्व करते हैं। एक अन्य महिला यात्री ने बताया कि हम ऑफिस वर्क के लिए 15 दिन की यात्रा पर गए थे। हमें बिल्कुल भी यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में जाकर फंसे हैं या सुरक्षित नहीं हैं। हम सभी के लिए दुबई सरकार ने अच्छी सुरक्षा दी थी। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ दूर से धमाकों की आवाजें आती थीं, लेकिन वहां बिल्कुल भी खतरनाक या पैनिक की स्थिति नहीं थी। एक अन्य यात्री ने बताया कि जब हम लोग एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, तभी मिसाइल अटैक का अलर्ट आया था। सभी लोगों को नीचे बंकर में ले जाया गया। कुछ समय के बाद जब स्थिति सामान्य हो गई, तब लोगों को बाहर लाया गया। हमें बाद में पता चला कि उन मिसाइलों को मार गिराया गया है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री एक और यात्री ने कहा कि उसने फ्लाइट बुक की थी, लेकिन उसमें देरी हो रही थी। स्पाइसजेट की वजह से मैं यहां टाइम पर पहुंच गया। उन्होंने फ्लाइट्स कैंसिल नहीं कीं। मैं एक हफ्ते तक फंसा रहा। वापस आकर मुझे अच्छा लग रहा है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री ने कहा कि मैं वहां छह साल से काम कर रहा हूं। हमें कुछ शोर सुनाई दे रहा था, लेकिन वहां सब ठीक है। यूएई सरकार सभी का बहुत अच्छे से ख्याल रख रही है।

तमिलनाडु चुनाव से पहले टीवीके चीफ विजय के बड़े वादे: बुजुर्ग महिलाओं को 2,500 रुपये, विवाह में सोने की अंगूठी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच अभिनेता-नेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई बड़े वादों की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मामल्लापुरम में आयोजित समारोह में विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, विवाह के लिए आठ ग्राम सोना और सिल्क साड़ी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि राज्य में जन्मे प्रत्येक बच्चे को सरकार की ओर से एक सोने की अंगूठी दी जाएगी, जो परिवार और बच्चों की भलाई का प्रतीक होगी।

महिलाओं और सुरक्षा के लिए पहल

विजय ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की और सार्वजनिक परिवहन में स्मार्ट पैनिक बटन लगाने की योजना भी साझा की। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेज न्याय सुनिश्चित करने के लिए ÷अंजलाई अम्मल फास्ट-ट्रैक अदालत÷ का गठन किया जाएगा। राज्यभर में 500 विशेष सुरक्षा टीमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करेंगी।

शिक्षा और आर्थिक समर्थन

उन्होंने 'कामराज शिक्षा आश्वासन स्कीम' के तहत कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों की शिक्षा बिना रुकावट पूरी करने की गारंटी देने की घोषणा की। इसके लिए परिवारों को सालाना 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को 5 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता देने का भी वादा किया गया।

परिवार कल्याण और सामाजिक सुरक्षा

विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए 'अन्नापूर्णी सुपर 6' स्कीम के तहत साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने, और शादी में महिलाओं की मदद के लिए ÷अन्नन सीर÷ योजना लागू करने की बात कही। इसके साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता बढ़ाने के लिए राशन दुकानों के माध्यम से मुफ्त सेनेटरी नैपकिन वितरित किए जाएंगे।

टीवीके प्रमुख ने कहा कि पार्टी सत्ता में आने के बाद इन सभी कल्याण योजनाओं को तुरंत लागू करेगी। महिलाओं, बच्चों और परिवारों पर केंद्रित यह घोषणाओं का बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है, जिससे तमिलनाडु में चुनावी तैयारियों को बढ़ावा मिलेगा।

भारत के लोग आजाद और खुद फैसले लेने वाले हैं, हम दूसरे देश का आदेश नहीं मानते

-फिल्म अभिनेता कमल हासन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए लिखा ओपन पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन पत्र लिखा है। पत्र में हासन ने ट्रंप को अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रुस से तेल खरीदने की अस्थायी छूट दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल हासन ने एक्स पर लिखा- सेवा में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। माननीय राष्ट्रपति जी, हम भारत के लोग एक आजाद और अपने फैसले खुद लेने वाले देश के नागरिक हैं। अब हम किसी दूसरे देश से आदेश नहीं लेते। कृपया अपने काम से काम रखिए। देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में शांति बनाए रखने का सही तरीका है। हम आपके देश और वहां के लोगों के लिए शांति और तरक्की की कामना करते हैं। कमल हासन- एक प्राउड भारतीय नागरिक। संस्थापक- मक्कल नीधि माइअम। बता दें मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20फीसदी तेल सप्लाई होती है। ऐसे में भारत में भी तेल के दाम बढ़ने का अनुमान था। इसी बीच अमेरिका ने भारत को 3 अप्रैल तक रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। कमल हासन की पोस्ट सामने आने के बाद कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि वह किस हैसियत से इंडिया की तरफ से बयान दे रहे हैं। कई लोग इसे ड्रामा बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि भारत को किसी भी देश की तरफ से कोई आदेश नहीं दिया गया है, जैसा कि कमल ने पोस्ट में कहा है।

ईरान युद्ध के बीच भारत ले सकता है फैसला, जहाजों की सुरक्षा के लिए नौसेना की तैनाती पर विचार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में उपजे सुरक्षा संकट के बीच भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाने के संकेत दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, पर्शियन गल्फ में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय नौसेना की तैनाती पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अगले 48 घंटों के भीतर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यदि योजना को हरी झंडी मिलती है, तो भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन जहाजों को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गलियारे से बाहर निकालेंगे।

अब राज्यपाल गुरमीत सिंह का हेलीकॉप्टर हुआ खराब, श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग

-एक दिन पहले ही केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी आई थी समस्या

श्रीनगर (एजेंसी)। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह के हेलीकॉप्टर की रविवार को श्रीनगर के पास इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर में तकनीकी दिक्कत या खराब मौसम की वजह से यह फैसला लिया गया। हालांकि राज्यपाल समेत सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बताया गया कि गुरमीत सिंह गैंसरण में विधानसभा सत्र में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से जा रहे थे। इसी दौरान श्रीनगर के पास हेलीकॉप्टर में समस्या आने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने सावधानी बरतते हुए आपात लैंडिंग कराई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस अलर्ट हो गए और राज्यपाल को हेलिपैड से सीधे पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया। फिलहाल लैंडिंग के सही कारणों की जांच की जा रही है।

इस घटना से एक दिन पहले केशव

प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी तकनीकी खराबी आ गई थी। वे कौशांबी जा रहे थे, तभी हेलीकॉप्टर में अचानक समस्या आ गई और उसकी लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बताया गया कि उड़ान के दौरान पायलट के डैशबोर्ड का डिस्प्ले बंद हो गया था और हेलीकॉप्टर में धुआं भरने लगा था। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ा और सुरक्षित लैंडिंग कराई। हेलीकॉप्टर में केशव मौर्य, उनके सहयोगी, सुरक्षाकर्मी और पायलट सवार थे और सभी सुरक्षित हैं।

बंगाल चुनाव से पहले ममता का बड़ा ऐलान, युवाओं को हर महीने मिलेगा 1500 रुपये बेरोजगारी भत्ता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं को हर महीने 1500 रुपये भत्ता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है। ममता बनर्जी ने यह घोषणा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन स्थल से ही की। ममता बनर्जी ने बताया कि सरकार पहले इस योजना को 1 अप्रैल से लागू करने वाली थी, लेकिन अब इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य के युवाओं को यह एक तरह का उपहार है। इसके तहत लाभार्थियों को अब अप्रैल का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और भुगतान की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी।

कौन होंगे योजना के पात्र

मुख्यमंत्री ने योजना की पात्रता को लेकर भी जानकारी दी। इसके तहत 21 से 40 वर्ष की आयु के युवक और युवतियां आवेदन कर सकेंगे। लाभ पाने के लिए कम से कम माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 10वीं) पास होना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्र अभी पढ़ाई कर रहे हैं और छात्रवृत्ति के अलावा किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं, उन्हें भी इस योजना के तहत भत्ता मिल सकेगा।

रोजगार के आंकड़े भी रखे सामने

विपक्ष के आरोपों के बीच ममता बनर्जी ने अपने शासनकाल में रोजगार के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी दर में करीब 40 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य में लगभग 40 लाख लोगों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें से करीब 10 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है। उन्होंने बताया कि उत्कर्ष बांग्ला के तहत प्रशिक्षित युवाओं का डेटा उद्योगपतियों की वेबसाइटों से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हुई है।

किसानों और प्रवासी मजदूरों के लिए भी राहत

ममता बनर्जी ने भूमिहीन किसानों के लिए भी 4000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले यह लाभ केवल सीमित जमीन वाले किसानों को मिलता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा प्रवासी श्रमिकों को राज्य के भीतर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लघु और मध्यम उद्योगों के क्षेत्र में करीब 1.5 करोड़ लोग कार्यरत हैं और इस क्षेत्र को और मजबूत किया जाएगा।

होली के बाद मौसम ने बिखेरे तीन रंग, कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, कहीं बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

-यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी, कुछ जगहों पर छा सकते हैं हल्के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रंगों से भरा होली पर्व का उत्सव अब समाप्त हो गया है। इसके साथ ही मौसम ने अपने रंग बिखेरना शुरु कर दिया है। देश में इस वक्त तीन तरह की मौसमी रंग दिखाई दे रहे है। एक वो इलाका है जहां रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है तो दूसरा वो क्षेत्र है जहां बारिश हो रही है और तीसरे इलाके में बर्फबारी की संभावना है। महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्य भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) की चपेट में हैं, वहीं उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और पूर्वी भारत में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि गर्मी ने इस साल समय से पहले ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं।

महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र इस समय देश का सबसे गर्म इलाका बना हुआ है। अकोला में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से करीब 4.8 डिग्री अधिक है। अमरावती, वर्धा और वाशिम जैसे शहरों में भी पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मार्च की

शुरुआत में ही तापमान का इस स्तर पर पहुंचना आने वाले महीनों के लिए एक गंभीर संकेत है। राजस्थान के बाड़मेर में भी पारा 38 डिग्री के पार जा चुका है, जिससे मरुधरा में अभी से तपिश महसूस होने लगी है।

दूसरी ओर, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इस बदलाव से मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली- एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है, हालांकि दोपहर की तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी गर्मी का असर बढ़ने लगा है। यूपी के बुंदेलखंड क्षेत्र में पारा 35 डिग्री के पार जा चुका है, वहीं बिहार और झारखंड में 9 से 11 मार्च के बीच मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में भी प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं, जिससे केरल और तमिलनाडु के तटीय इलाकों में बारिश की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि साफ आसमान और एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण सूरज की किरणें सीधे धरती तक पहुंच रही हैं, जिससे तापमान में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो रही है। यदि आने वाले दिनों में पारा सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक रहता है, तो कई राज्यों में आधिकारिक तौर पर हीटवेव की घोषणा की जा सकती है।

सामना ने अमेरिका की भूमिका और भारत के नेतृत्व पर उठाए सवाल कहा- कॉकरोच मरते नहीं...

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच शिवसेना (यूबीटी) ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारत सरकार की भूमिका पर तीखी टिप्पणी की है। पार्टी के मुखपत्र में प्रकाशित कॉकरोच मरते नहीं शीर्षक वाले लेख के माध्यम से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने वैश्विक राजनीति, अमेरिका की रणनीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। लेख में दावा किया गया है कि इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले न केवल वैश्विक शांति के लिए खतरा हैं, बल्कि इससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

संजय राउत ने अपने लेख में तर्क दिया है कि युद्ध अक्सर राजनीतिक उद्देश्यों को साधने का एक जरिया मात्र होता है। उन्होंने इस संघर्ष की तुलना 1950 में तिब्बत पर चीन के कब्जे से करते हुए कहा कि जिस तरह माओ त्से तुंग ने आजादी के नाम पर तिब्बत पर नियंत्रण किया, उसी तरह आज अमेरिका और इजरायल तानाशाही से मुक्ति के नाम

पर ईरान में अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों को साध रहे हैं। लेख में विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों को इस युद्ध का जनक बताया गया है। सबसे कड़ा प्रहार भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किया गया है। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि इस वैश्विक संकट के दौरान भारत की कूटनीतिक उपस्थिति अत्यंत कमजोर और मौन रही है। लेख में तंज कसते हुए कहा गया कि जिस नेतृत्व को विश्व स्तर पर मजबूत बताया जाता है, वह इस संघर्ष को रोकने में विफल रहा है। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा का उल्लेख करते हुए लेख में कहा गया कि उस यात्रा के बाद क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया, लेकिन भारत की ओर से शांति की कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। लेख का निष्कर्ष यह है कि शक्तिशाली देश अपने स्वार्थ के लिए युद्ध का सहारा ले रहे हैं, लेकिन जिन्हें कमजोर समझा गया, वे उम्मीद से कहीं अधिक कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। लेख के अनुसार, पश्चिमी देशों का यह अनुमान गलत साबित हुआ कि ईरान को आसानी से घुटनों पर लाया जा सकता है। संजय राउत ने लिखा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की शहादत और कई सैन्य अधिकारियों के मारे जाने के बावजूद ईरान ने हार नहीं मानी है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर हुए मिसाइल हमलों और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान ने झुकने से साफ इनकार कर दिया है। लेख में गाजा पट्टी में हो रही नागरिकों और बच्चों की मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे मानवता के लिए एक बड़ा संकट करार दिया गया है।

जंग के बीच भारत ने तेज किया नागरिकों का रेस्क्यू, 52 हजार स्वदेश लौटे, 100 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के बीच भारत सरकार ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों और भारतीय मिशनों की सलाह का कड़ाई से पालन करें। भारत सरकार सहायता की जरूरत वाले हर नागरिक तक पहुंचने के लिए संबंधित देशों की सरकारों के साथ निरंतर समन्वय कर रही है। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र की उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि क्षेत्र के हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से खुलने के बाद अब तक 52,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं।

पश्चिम एशिया में सुरक्षा की स्थिति फिलहाल अत्यंत अनिश्चित बनी हुई है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर की जा रही बमबारी और तेहरान की ओर से अमेरिकी व इजराइली ठिकानों पर किए जा रहे जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। भारतीयों की सहायता के लिए वहां स्थित भारतीय दूतावासों ने 24 घंटे चालू रहने वाली हेल्पलाइन नंबर भी स्थापित किए हैं। इस भीषण संघर्ष का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर पड़ा है। शनिवार को दिल्ली और मुंबई के हवाई अड्डों पर कम से कम 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, मुंबई हवाई अड्डे से 35 प्रस्थान और 36 आगमन उड़ानें रद्द रहीं, जबकि दिल्ली हवाई अड्डे से 22 प्रस्थान और 17 आगमन उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएएल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण पश्चिम की ओर जाने वाली उड़ानों में देरी या समय-सारणी में बड़े बदलाव हो सकते हैं। ज्ञात हो कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने वैश्विक नागरिक उड्डयन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुरक्षा कारणों से पश्चिम एशिया के कई हवाई क्षेत्रों को बंद कर दिया गया है, जिसके चलते एयरलाइन कंपनियां या तो बहुत सीमित संख्या में उड़ानें संचालित कर रही हैं या लंबे वैकल्पिक रास्तों का उपयोग कर रही हैं। भारत सरकार की प्राथमिकता अब युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे बाकी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधानों को कम करने की है।